छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 88 ■ अम्बिकापुर, बुधवार 01 अप्रैल 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

झारखंड की पहलवान पूनम ने दर्द को मात देकर हासिल किया गोल्ड मेडल

करियर खत्म कर देने वाली चोट से पार पाकर 9 साल के खिताबी सूखे को किया समाप्त

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कुश्ती जैसे खेल में जहां फिटनेस और ताकत सबसे बड़ी जरूरत होती है, वहीं चोटिल कंधे के साथ मैट पर उतरना अपने आप में बड़ा जोखिम है, लेकिन झारखंड की 19 वर्षीय पहलवान पूनम उरांव ने इस जोखिम को चुनौती में बदला और दर्द के बावजूद मुकाबले में जीत हासिल करते हुए पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। फाइनल में भी पूनम बाएं कंधे पर पट्टी बांधकर उतरीं। हर मूव के साथ दर्द साफ नजर आ रहा था, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और अंत तक लड़ते हुए मुकाबला अपने पक्ष में किया। पूनम ने महिलाओं की 50 किग्रा वर्ग के फाइनल में तेलंगाना की के. गीता को हराकर स्वर्ण पदक जीता।

अपने करियर का पहला स्वर्ण पदक जीतने के बाद पूनम ने मीडिया से कहा, 'हार कैसे मान लेती सर? जब नौ साल से हार नहीं मानी, तो अब कैसे मान लेती। मेरी यह चोट बहुत पुरानी है। छह साल पहले मेरा कंधा उतर गया था। बीच में ठीक हुआ, लेकिन फिर ट्रेनिंग के दौरान दोबारा चोट लग गई। इसके बावजूद मैंने वापसी की और अब मैंने यहां पर गोल्ड जीता है।' उन्होंने कहा, अपने करियर की शुरुआत से ही मैं चोटों से जूझ रही हूं, लेकिन मैंने कभी हार नहीं मानी। गोल्ड मेडल जीतना किसी सपने के सच होने जैसा लगता है। नौ साल तक गोल्ड न जीत पाने के दर्द के मुकाबले यह चोट कुछ भी नहीं है।' पूनम का अगला लक्ष्य जूनियर नेशनल ट्रायल्स के लिए क्वालीफाई करना है और वे इस स्वर्णिम सफलता को आगे भी जारी रखना चाहती हैं।

एसजीएफआई में जीता कांस्य पदक, फिर लम्बा इंतजार

झारखंड के चतरा जिले के सुइयाबार गांव की रहने वाली पूनम के लिए यह जीत किसी सपने के सच होने जैसी है। साल 2017 में जब उन्होंने कुश्ती की शुरुआत की थी, उसी दौरान एक गंभीर चोट ने उन्हें करीब एक साल तक मैट से दूर कर दिया। वापसी के बाद उन्होंने 2018 और 2019 में स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) में कांस्य पदक जीता, लेकिन इसके बाद पदक जीतने का इंतजार लंबा चला।

घर वाले मना कर रहे थे, कोच और स्टाफ को था भरोसा

पूनम बताती हैं कि इस प्रतियोगिता में उतरने से पहले भी वह पूरी तरह फिट नहीं थीं। उन्होंने कहा, घर वाले मना कर रहे थे, लेकिन कोच और सपोर्ट स्टाफ को मुझ पर भरोसा था। उनके सपोर्ट से ही मैं खेल पाई और गोल्ड जीत सकी। पूनम कहती हैं 'छह साल बाद कोई पदक जीतना मेरे लिए बहुत खास है और इसके पीछे मेरी दृढ़ इच्छाशक्ति है।' वह पिछले करीब एक दशक से रांची के हॉस्टल में रहकर अभ्यास कर रही हैं।

स्वर्ण पदक जीतना, मेरे लिए सपने के सच होने जैसा

ऑरन समुदाय से ताल्लुक रखने वाली पूनम के लिए यह स्वर्ण पदक खास मायने रखता है। वह कहती हैं, इसके मुझे काफी लंबा इंतजार करना पड़ा है। करियर की शुरुआत से ही मैं चोट से जूझ रही हूं, लेकिन कभी हार नहीं मानी। इसके बाद कोई स्वर्ण पदक जीतना, मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है। कुश्ती के साथ-साथ पढ़ाई में भी संतुलन बनाए रखते हुए, पूनम अभी रांची यूनिवर्सिटी से बीए (पॉलिटिकल साइंस) की पढ़ाई भी कर रही है। अब वह जूनियर नेशनल्स के लिए झारखंड टीम में जगह बनाने पर ध्यान दे रही हैं।

पिता के निधन के बाद मां बनीं संबल

मनीषा का खेल जीवन चुनौतियों से भरा रहा है। उन्होंने बताया कि जब वह पांचवीं कक्षा में थीं, तभी उनके पिता का देहांत हो गया था। इसके बावजूद, उनकी मां ने हार नहीं मानी और अकेले दिन-रात मेहनत करके मनीषा के सपनों को पंख दिए। पूर्व में कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सिल्वर और ब्रोंज मेडल जीत चुकीं मनीषा के करियर का यह पहला गोल्ड मेडल है।

स्पोर्ट्स हॉस्टल और परिवार का मिला साथ

अपनी सफलता को साझा करते हुए मनीषा ने कर्नाटक के डिवाइस स्पोर्ट्स हॉस्टल की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, 'हॉस्टल के कोच और साथी खिलाड़ियों ने मुझे हमेशा प्रेरित किया। मेरा बड़ा भाई मेरा मार्गदर्शक रहा है, वहीं छोटा भाई, जो खुद एक राज्य स्तरीय एथलीट है, वह मेरी सबसे बड़ी हिम्मत है।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में कर्नाटक की मनीषा जोंस सिद्दी ने जीता गोल्ड

'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' के प्रथम ऐतिहासिक संस्करण में कर्नाटक की बेटी मनीषा जोंस सिद्दी ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए कुश्ती के 76 किलो भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर राज्य का नाम रोशन किया है। अभावों के बीच पली-बढ़ी मनीषा की यह जीत केवल एक पदक नहीं, बल्कि उनके वर्षों के कठिन परिश्रम और अटूट संकल्प की विजय है।

ट्राइबल गेम्स: एक नई पहचान का मंच

मनीषा ने केंद्र सरकार और आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' जैसे मंच से जनजातीय समुदाय के बच्चों को अपनी विशेष पहचान के साथ आगे बढ़ने का मौका मिला है। उन्होंने यहां की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा मैच के दौरान सुरक्षा, भोजन और यातायात की व्यवस्था बेहतरीन थी। छत्तीसगढ़ के लोगों का व्यवहार और यहां का माहौल खिलाड़ियों के लिए अत्यंत सुखद है।

लक्ष्य-अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगा लहराना

स्वर्ण पदक की चमक के साथ मनीषा की निगाहें अब भविष्य की बड़ी चुनौतियों पर हैं। छत्तीसगढ़ की धरती पर मिली इस सफलता से उत्साहित मनीषा अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने की तैयारी में जुटी हैं। उनका अंतिम लक्ष्य विश्व पटल पर स्वर्ण पदक जीतकर देश का मान बढ़ाना है।

संजय वन वाटिका से एक और हिरण के भागने से मची खलबली

वन अमले के द्वारा देर रात तक की जा रही खोजबीन का वीडियो वायरल हुआ

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नगर के संजय वन वाटिका में कुत्तों के हमले में 15 हिरणों की मौत मामला सुर्खियों में आने के बाद भी वन अमले की लापरवाही का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को पुन: वन वाटिका के बाड़े से एक हिरण के भाग जाने की खबर सामने आ रही है। देर रात तक वन विभाग के कर्मचारी रात के अंधेरे में टार्च की रोशनी के बीच हिरण को जंगल, झाड़ में खोजते नजर आए, इसका वीडियो भी सामने आया है। वन अमले की चौकसी में रहने वाले संजय वन वाटिका से ऐसी खबरों के सामने आने के बाद विभागीय अधिकारियों का गोलमोल जवाब भी इनकी कार्यप्रणाली को संदेह के घेरे में ला रहा है। अभी तक जिस प्रकार की विभागीय कार्यप्रणाली सामने आई है, उससे यही स्पष्ट हुआ है कि हिरणों की मौत के बाद उच्च अधिकारियों ने वन सुरक्षा समिति पर जिम्मेदारी का ठीकरा फोड़ने का काम किया है। घटना के दिन पार्क के बड़े हिस्से में समिति के एक कर्मचारी का तैनात रहना और विभागीय कर्मचारियों के द्वारा चैन की नींद लेने के प्रति विभाग की गंभीरता सामने नहीं आई है। वन विभाग के अमले का काम मात्र वन वाटिका में आने वाले लोगों का टिकट काटकर वसूली करना मात्र रह गया था। संजय वन वाटिका में रहने वाले पशुओं का पूरा दारोमदार एक हिसाब से वन भाग जाने की चैंकाने वाली खबर का सामने इनकी बड़ी लापरवाही को उजागर कर रहा है। इधर वन विभाग के अधिकारियों की ओर से भी अभी तक किसी प्रकार का नोट तत्संबंध में जारी नहीं किया गया है, जिससे यह स्पष्ट हो सके, कि वन वाटिका से भागे हिरण की स्थिति क्या है, और विभाग की नजरों में इस घटनाक्रम की वास्तविकता क्या है?

मंगलवार को उल्टे पांव वापस लौटे लोग

मंगलवार को संजय वन वाटिका का संचालन बंद रहने से यहां घूमने के लिए आने वाले लोगों को निराश होना पड़ा। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र से अकसर यहां परिवार व परिचितों के साथ समय बिताने के लिए लोग पहुंचते हैं। युगल जोड़ों का भी वाटिका में आना होता है, और ये हरी वादियों के बीच समय गुजारते हैं। बच्चों की अटखेलियों के बीच वन वाटिका गुलजार रहता है। मंगलवार को वन वाटिका का प्रवेश द्वार अंदर से बंद रहने के कारण यहां घूमने के लिए आने वालों को उल्टे पांव वापस लौटना पड़ा। वाटिका के अंदर कुछ दोपहिया वाहनें खड़ी नजर आ रही थीं, लेकिन आवाज लगाने और दरवाजे को खटखटाने के बाद भी कोई वन वाटिका के बंद रहने की सूचना देने या आगंतुकों की जिज्ञासा को शांत करने के नहीं पहुंचा। बाहर भी कोई ऐसा नोटिस चस्पा नहीं किया गया था, जिससे यह पता चले कि संजय वन वाटिका कितने दिनों के लिए बंद है।

अंबिकापुर के सकालो में अफ्रीकन स्वाइन फीवर वैक्सीन का पहला ट्रायल शुरू

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अफ्रीकन स्वाइन फीवर (एएसएफ) जैसी अत्यंत घातक एवं संक्रामक वायरल बीमारी की रोकथाम के लिए अंबिकापुर के सकालो स्थित शासकीय पिग फार्म में एएसएफ वैक्सीन का ट्रायल प्रारंभ किया गया है। यह ट्रायल राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाई सिक्यूरिटी एनिमल डिजीज भोपाल) द्वारा विकसित वैक्सीन पर किया जा रहा है। परीक्षण पशुपालन विभाग के निर्देशानुसार वैज्ञानिक पद्धति से संचालित किया जा रहा है। इस वैक्सीन के विकास एवं परीक्षण में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. वेंकटेश एवं डॉ. सेंथिल कुमार की प्रमुख भूमिका है। वरिष्ठ पशु चिकित्सक, पिग फार्म अंबिकापुर डॉ. सी.के. मिश्रा ने बताया कि विभागीय मार्गदर्शन में ट्रायल का संचालन किया जा रहा है, जिससे भविष्य में इस घातक बीमारी की प्रभावी रोकथाम हेतु ठोस समाधान प्राप्त होने की संभावना है। अफ्रीकन स्वाइन फीवर सूअरों में होने वाली एक अत्यंत जानलेवा बीमारी है, जिसकी मृत्यु दर बहुत अधिक होती है। यह बीमारी घरेलू एवं जंगली दोनों प्रकार के सुअरों को प्रभावित करती है। वर्तमान में इस रोग का कोई प्रभावी उपचार उपलब्ध नहीं है। संक्रमित पशुओं के नियंत्रण हेतु क्यूलिंग, क्वारंटाइन एवं आवागमन नियंत्रण जैसे उपाय अपनाए जाते हैं। उल्लेखनीय है कि देश में एएसएफ वैक्सीन का यह प्रथम ट्रायल है। वर्तमान में भारत ही नहीं, बल्कि विश्व स्तर पर भी एएसएफ वैक्सीन का कोई पूर्ण रूप से स्वीकृत (कामर्शियल) वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। ऐसे में अंबिकापुर में प्रारंभ हुआ यह ट्रायल सुअर पालन क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण पहल एवं आशा की किरण के रूप में देखा जा रहा है।

मासूम को जमीन में पटक कर मौत की नींद सुलाने वाली मां के विरूद्ध हत्या का केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सूरजपुर जिला के प्रेमनगर थाना अंतर्गत 4 माह के बच्चे की मौत के मामले में पुलिस ने मां के विरूद्ध हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस चौकी सलका, उमेश्वरपुर के प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक संजय सिंह यादव ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद मर्ग जांच दौरान बच्चे के स्वजन और गवाहों का बयान लिया, जिसमें सामने आया कि मृत बच्चा हंसराज पिता सून साय प्रजापति 04 माह, घटना दिनांक 25 मार्च को सुबह करीब 8.30 बजे अपनी मां की गोद में था। बच्चे को लेकर उसकी मां अपने घर से लगे भसुर बेचन सिंह के घर के सामने खड़ी थी, बच्चा रो रहा था। सड़क पार आरोपिया का पति सूनसाय कोटवार के घर के सामने उसके लड़के नंदु से रामनवमी पूजा के सबंध में बातचीत कर रहा था। इस बीच सूनसाय देखा कि बच्चे के रोने पर आरोपिया अत्यधिक क्रोधित हो गई और उसे जमीन पर जोर से पटक दी, इसके बाद बच्चे को उठाकर अपने पति के गोद में दे दी थी। बच्चे के सिर में पीछे तरफ अंदरूनी चोट आने से उसे जिला अस्पताल सूरजपुर में भर्ती कराया गया, यहां इलाज के बीच 25 मार्च को ही सुबह करीब 10.30 बजे उसकी मृत्यु हो गई। पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सक ने रिपोर्ट में बच्चे के सिर में गंभीर चोट लगने का लेख किया था। जांच में आरोपिया के द्वारा बच्चे के रोने पर क्रोधित होकर जमीन पर पटकना पाए जाने पर पुलिस ने आरोपिया बृंदवती के विरूद्ध धारा 103 (1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

एनएच-343 का निर्माण रोका जाए, पक्षपातपूर्ण कार्यप्रणाली का आरोप, उग्र हुए ग्रामीण

नवीन विश्रामगृह से महमूद अंसारी के घर तक 3डी एलाइनमेंट सड़क का हो रहा निर्माण

प्रभावित भू-स्वामियों ने कलेक्टर को शिकायत पत्र सौंपा, निष्पक्ष जांच कराने की मांग

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-343 के निर्माण कार्य को लेकर एक बार फिर विवाद गहराता नजर आ रहा है। ग्राम भनौरा के पास चल रहे सड़क निर्माण में गंभीर अनियमितताओं और पक्षपातपूर्ण कार्यप्रणाली के आरोप सामने आए हैं। इस संबंध में प्रभावित भू-स्वामियों द्वारा जिला कलेक्टर, बलरामपुर को लिखित शिकायत सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है।

शिकायत में बताया गया है कि एनएच-343 के निर्माण के दौरान स्वीकृत 3डी एलाइनमेंट और भारतीय सड़क के मानकों का उल्लंघन किया जा रहा है। नियमों के अनुसार सड़क का विस्तार केंद्र रेखा दोनों ओर समान रूप से होना चाहिए, किंतु यहां बिना किसी तकनीकी बाधा के सड़क को एक ओर झुका दिया गया है। आरोप है कि कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से जान-बूझकर एलाइनमेंट में बदलाव किया गया है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, पश्चिम दिशा के भू-स्वामियों की भूमि अधिग्रहण के बाद पहले स्थापित मार्ग अधिकार (राइट ऑफ वे) पिलरों को राजस्व अमले द्वारा बदल दिया गया और नए पिलर पूर्व दिशा की ओर खिसकाते हुए लगभग 7.5 मीटर तक कम कर दिया गया है। इसके बाद राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को उसी बदले हुए एलाइनमेंट के अनुसार निर्माण करने के निर्देश दिए गए, जिससे कार्य विधि-विरुद्ध तरीके से तेजी से जारी है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि इस पूरे बदलाव की जानकारी प्रभावित भू-स्वामियों को नहीं दी गई, जिससे पारदर्शिता का अभाव स्पष्ट रूप से सामने आता है। एलाइनमेंट में परिवर्तन के कारण निजी एवं शासकीय भूमि के राजस्व रिकॉर्ड तथा मुआवजा प्रक्रिया में भी विसंगतियां उत्पन्न हो रही हैं। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि नवीन विश्राम गृह से महमूद अंसारी के घर तक लगभग 2.5 किलोमीटर के हिस्से में इस बदलाव का प्रभाव देखा जा रहा है। वहीं, बदले हुए एलाइनमेंट की जिम्मेदारी लेने से संबंधित अधिकारी, ठेकेदार और राजस्व विभाग के कर्मचारी भी बचते नजर आ रहे हैं, जिससे प्रभावित लोगों में भय और असमंजस की स्थिति बनी हुई है। तकनीकी दृष्टि से भी यह निर्माण कार्य सवालों के घेरे में है। सड़क को एक ओर अधिक झुकाने से दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई है। वाहनों के पलटने का खतरा बना हुआ है। साथ ही, इससे स्थानीय लोगों की निजी संपत्तियों को भी नुकसान होने की बात सामने लाई गई है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने इस संबंध में पहले ही साइट इंजीनियर और अन्य संबंधित अधिकारियों को मौखिक रूप से अवगत कराया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

प्रभावित पक्षों ने जिला प्रशासन से की मांग

प्रभावितों ने सड़क निर्माण के इस हिस्से का तत्काल तकनीकी ऑडिट कराने की मांग की है। इसके अलावा निर्माण कार्य के लिए स्वीकृत भौगोलिक डेटा 3डी एलाइनमेंट के अनुसार दुरुस्त करने, मौके पर राजस्व एवं तकनीकी टीम भेजकर पुन सीमांकन कराने, जांच पूरी होने तक निर्माण कार्य को स्थगित रखने, दोषी अधिकारियों एवं ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की गई है। शिकायत कर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि 5 दिनों के भीतर इस गंभीर मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो वे न्याय और सार्वजनिक सुरक्षा की मांग को लेकर आमरण अनशन पर बैठने के लिए बाध्य होंगे, इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी। अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन इस गंभीर आरोप पर क्या कदम उठाता है और प्रभावित ग्रामीणों को न्याय कब तक मिल पाता है।

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026 ISO 9001: 2015 CERTIFIED
बादी एवं सूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।
डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद
समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा
बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

खवाड़े भर से कोट बहरा गांव में हाथियों का आतंक, फसलें और ट्यूबवेल तबाह

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत कल्याणपुर के कोटबहरा गांव में इन दिनों हालात किसी आपदा से कम नहीं हैं। पिछले पंद्रह दिनों से जंगली हाथियों का एक दल गांव में लगातार उत्पात मचा रहा है। सोमवार की रात यह संकट और गहरा गया, जब चार हाथियों का झुंड गांव में घुस आया और किसानों की मेहनत पर कहर बनकर टूट पड़ा। रात के सन्नाटे में हाथियों ने कोटबहरा गांव में प्रवेश कर देखते ही देखते कई खेतों और ट्यूबवेल को निशाना बना डाला। इस हमले में गांव के राम बहाल, बुधराम सिंह, गंगा राम, रामधनी, इंद्र प्रसाद, अजय सिंह और रति जायसवाल सहित कई किसानों के आठ ट्यूबवेल क्षतिग्रस्त हो गए। इंद्र प्रसाद का ट्यूबवेल कक्ष तो पूरी तरह जमींदोज कर दिया गया।

हाथियों ने खेतों में खड़ी गेहूं, खीरा और गन्ने की फसल को बुरी तरह रौंद दिया। किसानों का कहना है कि यह फसल उनकी सालभर की मेहनत और आजीविका का आधार थी, जो अब पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। नुकसान का आंकलन लाखों रुपये तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।ग्रामीणों के अनुसार हाथियों का यह दल दिन के समय पास के जंगल में छिपा रहता है और जैसे ही अंधेरा होता है, पानी और भोजन की तलाश में गांव की ओर निकल पड़ता है। यह सिलसिला पिछले दो हफ्तों से लगातार जारी है, जिससे ग्रामीणों का सामान्य जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। कोटबहरा गांव का हर परिवार इस समय भय के साए में जी रहा है। हालात इतने भयावह हैं कि लोग अपने घरों में सोने की हिम्मत नहीं कर पा रहे। गांव के लोग रात होते ही एक स्थान पर इकट्ठा हो जाते हैं, अलाव जलाते हैं और पूरी रात जागकर पहरा देते हैं। इस पूरे घटनाक्रम में वन विभाग की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग के पास न तो पर्याप्त वाहन हैं और न ही पर्याप्त कर्मचारी। पूरे इलाके के लिए केवल एक वाहन उपलब्ध है, जिससे त्वरित कार्रवाई संभव नहीं हो पा रही। हाथियों को खदेड़ने या नियंत्रित करने के लिए कोई ठोस रणनीति जमीन पर नजर नहीं आ रही है।

ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार को कैबिनेट मंत्री एवं भटगांव विधायक लक्ष्मी राजवाड़े कल्याणपुर के दौरे पर पहुंचीं, लेकिन सबसे ज्यादा प्रभावित कोटबहरा गांव का रुख नहीं किया। इससे ग्रामीणों में नाराजगी साफ झलक रही है। लोगों का कहना है कि जब जनप्रतिनिधि ही उनकी पीड़ा समझने नहीं आएंगे, तो समाधान की उम्मीद कैसे की जाए। पीड़ित किसानों और ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि हाथियों के दल को सुरक्षित तरीके से जंगल में वापस भेजा जाए। प्रभावित क्षेत्र में वन अमले की संख्या बढ़ाई जाए। गांव में लगातार निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था की जाए, फसल और संपत्ति के नुकसान का शीघ्र सर्वे कर उचित मुआवजा दिया जाए।

कोटबहरा गांव में फैला यह भय अब केवल एक स्थानीय समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह मानव-वन्यजीव संघर्ष की गंभीर तस्वीर पेश कर रहा है। अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह संकट और गहरा सकता है। फिलहाल गांव के लोग हर रात इसी उम्मीद में जाग रहे हैं कि अगली सुबह कोई राहत लेकर आएगी।

एक हाथी भटक कर लौटा

ग्रामीणों ने बताया कि पखवाड़े भर पूर्व पांच सदस्यीय हाथियों का दल सरहदी बलरामपुर जिले से कोट बहरा गांव पहुंचा था। जिसमें एक हाथी ने दल से भटक कर गत दिनों बलरामपुर जिले की ओर वापस लौट चुका है। इसके बाद अब चार सदस्यीय हाथियों का दल गांव में कोहराम मचा रहे हैं।

आम नागरिकों की सुविधा हेतु राजस्व पखवाड़ा आज से

राजस्व संबंधी समस्याओं का होगा त्वरित समाधान

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में राजस्व संबंधी समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण हेतु जिले के समस्त ग्रामों में राजस्व पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। पखवाड़ा कार्यक्रम 1 अप्रैल से से 15 अप्रैल 2026, 4 मई से 18 मई 2026 तथा 1 जून से 15 जून 2026 तक आयोजित होगा।

राजस्व पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत आम नागरिकों को उनकी भूमि एवं राजस्व से जुड़ी समस्याओं का मौके पर ही समाधान जाएगा। अविवादित नामांतरण एवं खाता विभाजन के लंबित प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही सीमांकन (ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र), व्यपवर्तन एवं वृक्ष कटाई से संबंधित समय-सीमा से बाहर के मामलों का भी प्राथमिकता से निराकरण किया जाएगा।

पखवाड़ा के दौरान नक्शा बंटाकन तथा सभी भूमिस्वामियों के खातों में आधार नंबर, मोबाइल नंबर, किसान किताब एवं जेंडर की प्रविष्टि शत-प्रतिशत पूर्ण की जाएगी। शिविरों में प्राप्त होने वाले आवेदन जैसे फौती नामांतरण, बंटवारा एवं अभिलेख त्रुटि सुधार के मामलों को ऑनलाइन दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही जैसे पंचनामा, नोटिस जारी कर त्वरित निराकरण किया जाएगा। इसके साथ ही जनहानि, फसल क्षति एवं पशु हानि से संबंधित आर.बी.सी. 6-4 के प्रकरणों का भी शीघ्र निराकरण किया जाएगा। भू-अर्जन से संबंधित मामलों को समय-सीमा में निराकरण कर सेवा शुल्क की अद्यतन जानकारी भी संधारित की जाएगी।

स्वामित्व योजना के अंतर्गत अधिकार अभिलेखों का वितरण जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया जाएगा। साथ ही वार्षिक कृषि सांख्यिकी एवं फसल प्रतिवेदन वर्ष 2025-26 की जानकारी को अद्यतन करने का कार्य भी किया जाएगा। अभिलेखों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए त्रुटिपूर्ण खसरा, संदेहास्पद खसरा, शून्य रकबा एवं भूमि स्वामी विहीन खसरों का शत-प्रतिशत निराकरण एवं शिविर स्थल पर ही बी-01, खसरा एवं किसान किताब से संबंधित आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र से संबंधित सभी आवेदनों को लोक सेवा केंद्र के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज कर समय-सीमा में निराकरण किया जाएगा। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविरों में उपस्थित होकर अपनी राजस्व संबंधी समस्याओं का समाधान प्राप्त करें।

आवश्यक वस्तुओं की सुगम आपूर्ति व्यवस्था के लिए जिला स्तरीय समिति गठित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में एलपीजी सिलेंडर, डीजल, पेट्रोल, उर्वरक एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता की नियमित समीक्षा करने तथा इन वस्तुओं की कालाबाजारी, जमाखोरी, तस्करी एवं एमआरपी से अधिक कीमत पर बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने हेतु कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के द्वारा जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति में अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल अध्यक्ष होंगे। साथ ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विश्व दीपक त्रिपाठी, जिला खाद्य अधिकारी श्री विनय भूषण कुजूर, उप संचालक कृषि श्री रामचन्द्र भगत, सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं श्री सुरेश पैकरा, तथा जिला विपणन अधिकारी सुश्री प्रितिका पूजा केरकेट्टा को सदस्य बनाया गया है।

अवैध गतिविधियों पर होगी सतत निगरानी

जिला स्तरीय समिति द्वारा आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता, भंडारण, वितरण एवं परिवहन व्यवस्था की सतत निगरानी की जाएगी। साथ ही किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, जिससे आम नागरिकों को आवश्यक वस्तुएं उचित मूल्य पर सहज रूप से उपलब्ध हो सकें।

एसईसीएल बिश्रामपुर के 11 कर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र में मंगलवार 31 मार्च को वर्षों तक कोयला उत्पादन और संस्थान की प्रगति में अपनी मेहनत और समर्पण देने वाले 11 कर्मियों ने आज कंपनी की सेवा से सेवानिवृत्ति पर विदाई दी गई। इस अवसर पर विभिन्न खदानों, कार्यालयों और कर्मशालाओं में विदाई समारोह आयोजित कर उन्हें सम्मानपूर्वक विदा किया गया।

समारोह का माहौल एक ओर जहां उपलब्धियों और योगदानों की सराहना से भरा था, वहीं दूसरी ओर साथ काम करने वाले साथियों की आंखें नम भी दिखीं। मंच से वक्ताओं ने सेवानिवृत्त कर्मियों के कार्यकाल को याद करते हुए उनके अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और मेहनत की सराहना की।

सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों में अमेरा खदान से रूप साय और शक्तिपद राजवाड़े, गायत्री खदान से अवतार सिंह, रेहर खदान से अमीर साय, एरिया हेड क्वार्टर से संगीता देवी, कुमदा सब एरिया से मुख्तार आलम, कुमदा 7/8 खदान से महेंद्र पांडेय, बलरामपुर 10/12 खदान से विनोद कुमार और राजेश कहार तथा आमगांव खदान से प्रेमचंद शामिल हैं। यूनिट स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में सेवानिवृत्त कर्मियों को शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। सहकर्मियों ने उनके साथ बिताए पलों को साझा करते हुए कहा कि सेवानिवृत्त कर्मियों ने अपने कार्यकाल में न केवल उत्पादन बढ़ाने में योगदान दिया, बल्कि कार्यस्थल पर अनुशासन और टीम भावना की मिसाल भी पेश की। सेवानिवृत्त कर्मियों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि एसईसीएल उनके लिए सिर्फ एक नौकरी नहीं, बल्कि परिवार जैसा रहा। उन्होंने नई पीढ़ी के कर्मचारियों को ईमानदारी, मेहनत और सुरक्षा को प्राथमिकता देने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में वर्षों से साथ काम करने वाले साथी एक-दूसरे से गले मिलकर विदा लेते नजर आए।

एग्री स्टेक पोर्टल में पात्र सभी किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करें : कलेक्टर

कलेक्टर ने ली समय-सीमा की बैठक, ग्रीष्मकाल में सतत पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने दिए निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास, मनरेगा, राजस्व प्रकरण, आयुष्मान कार्ड, स्वास्थ्य और पेयजल की उपलब्धता सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अविवादित नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा सहित अन्य राजस्व प्रकरणों का त्वरित एवं प्राथमिकता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आम नागरिकों से जुड़े राजस्व प्रकरणों तथा हाईकोर्ट में लंबित प्रकरणों का भी शीघ्र निराकरण करने को कहा। साथ ही कलेक्टर ने एग्री स्टेक पोर्टल में जिले के सभी पात्र किसानों का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंच सके।

प्रधानमंत्री आवास योजना एवं पीएम जनमन आवासों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने लक्ष्य के अनुरूप प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वीकृत, पूर्ण एवं अपूर्ण आवासों की विस्तृत जानकारी ली तथा लंबित आवासों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके। उन्होंने पीएम जनमन के अंतर्गत स्वीकृत गतिविधियों की भी जानकारी लेकर कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत पीएम जनमन मोबाइल मेडिकल यूनिट के संचालन एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने आयुष्मान भारत योजना एवं वय वंदन योजना के अंतर्गत कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए शेष हितग्राहियों के कार्ड शीघ्र बनाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिक से अधिक स्क्रीनिंग करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री कटारा ने गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संबंधी समस्याओं का चिन्हांकन कर तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए, ताकि ग्रीष्मकाल में लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और सुचारू रूप से पेयजल उपलब्ध हो सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पेयजल आपूर्ति पर सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश भी दिए। आगामी होने वाले जनगणना के संबंध में कलेक्टर श्री कटारा ने जिला सांख्यिकी अधिकारी से तैयारियों की जानकारी लेते हुए नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, श्री अभिषेक गुप्ता सहित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कोयलांचल में तीन दिन, तीन शिविर में 189 लोगों को मिला स्वास्थ्य लाभ

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। खदान क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों और दूरदराज के ग्रामीणों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से केंद्रीय चिकित्सालय बिश्रामपुर द्वारा तीन दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह के निर्देशन में लगाई गई। इन तीन दिनों में 189 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवाइयां और विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध कराया गया। 28 मार्च को केतकी भूमिगत खदान के ग्राम जोबगा में स्वास्थ्य शिविर लगा, तो यहां पर ग्रामीणों और श्रमिकों की भीड़ उमड़ पड़ी। रोजमर्रा की भागदौड़ और जोखिम भरे काम के बीच स्वास्थ्य जांच का यह अवसर उनके लिए किसी वरदान से कम नहीं था। शिविर में डॉ. भावदीप सोढ़ी और डॉ. वीर भारत के नेतृत्व में मेडिकल टीम ने मरीजों का बारीकी से परीक्षण किया। शिविर में रक्तचाप, श्वसन संबंधी समस्याएं, सामान्य बुखार, कमजोरी, त्वचा रोग सहित कई बीमारियों की जांच कर तुरंत परामर्श दिया गया। शिविर में यहां सिर्फ इलाज ही नहीं, बल्कि लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के बारे में भी जागरूक किया गया।

डॉक्टरों ने ग्रामीणों को समझाया कि स्वच्छता अपनाकर कई बीमारियों से बचा जा सकता है

संतुलित आहार शरीर की ताकत बढ़ाता है। छोटी-छोटी लापरवाहियां बड़ी बीमारियों को जन्म दे सकती हैं। 31 मार्च को क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में केतका गांव में आयोजित शिविर में भी उत्साह देखने को मिला। यहां डॉ. श्रीता लाल और डॉ. संगीता महंत ने मरीजों का परीक्षण कर उन्हें आवश्यक सलाह दी। कई मरीजों को लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान भी मिला।

इस शिविर में 65 लोगों ने लाभ लिया। इन तीनों दिनों में लगातार चले इस अभियान ने 189 लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाईं, जो एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। शिविर में पहुंचे ग्रामीणों और श्रमिकों ने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में अस्पताल तक पहुंचना कई बार मुश्किल होता है, ऐसे में यह शिविर उनके लिए बहुत राहत लेकर आया। कई लोगों ने यह भी मांग किया कि इस तरह के शिविर नियमित रूप से लगाए जाएं, ताकि समय-समय पर स्वास्थ्य जांच होती रहे। क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ.संजय सिंह ने कहा कि यह पहल केवल एक स्वास्थ्य शिविर नहीं, बल्कि मानव सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आई है। खदानों की गहराई में काम करने वाले श्रमिकों और दूर बसे ग्रामीणों तक जब स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचती हैं, तो यह न सिर्फ उनके जीवन को आसान बनाती हैं, बल्कि समाज में एक सकारात्मक संदेश भी देती हैं। तीन दिवसीय स्वास्थ्य अभियान यह साबित करता है कि यदि इच्छाशक्ति मजबूत हो, तो चिकित्सा सुविधाओं की रोशनी सबसे दूर बसे गांव और खदानों तक भी पहुंचाई जा सकती है और यही इस पहल की सबसे बड़ी सफलता है।

तेज रफ्तार हाईवा की चपेट में आने से युवक की मौत

अभनपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राजधानी रायपुर से लगे अभनपुर क्षेत्र के गोबरा नवापारा में गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसे में अज्ञात युवक की मौके पर ही मौत हो गई। यह दुर्घटना चंपारण चौक के पास हुई, जहां रेत से भरे तेज रफ्तार हाईवा ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी भयानक थी कि युवक हाईवा के नीचे फंस गया और चालक ने उसे करीब 200 फीट तक घसीट दिया। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि गरियाबंद और धमतरी क्षेत्रों से अवैध रेत उत्खनन और परिवहन लगातार जारी है। इन्हीं हाईवा वाहनों की आवाजाही के कारण इस मार्ग पर दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही हैं।

लगातार हो रहे हादसों के बावजूद खनिज विभाग की कार्रवाई पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिकारियों की लापरवाही के चलते अवैध परिवहन पर रोक नहीं लग पा रही, जिसका खामियाजा आम जनता को अपनी जान देकर चुकाना पड़ रहा है।

उद्योग मंत्री ने तिलक नगर में बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, सार्वजनिक उपक्रम व आबकारी मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि पत्रकारबंधु एक ऐसा दर्पण होते हैं, जो समाज को सच का आईना दिखाने का कार्य करते हैं। उन्होने कहा कि निष्पक्षता एवं पारदर्शिता पत्रकारिता का मूलमंत्र है, समाचार पत्रों में जो छपता है, मीडिया में जो दिखता है, आमजन मानस उसे ही सच मानकर चलता है, अतः यह आवश्यक है कि समाचारों में निष्पक्षता, पारदर्शिता व निर्भीकता होनी ही चाहिये। उन्होने कहा कि प्रेस क्लब कोरबा एक ऊजार्वान संस्था है, जो पत्रकारिता व पत्रकारबंधुओं के हितों की रक्षा के लिये निरंतर कार्य कर रही है। इस आशय के उद्गार आज मंगलवार को उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने कोरबा के तिलक भवन स्थित प्रेस क्लब में आयोजित भूमिपूजन-लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान कही। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 35 खरमोरा डाईट बिल्डिंग तिलक नगर पत्रकार कालोनी के समीप एन.टी.पी.सी. के सीएसआर मद से 15 लाख रुपए की लागत से बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य कराया जाना हैं, जिसका वर्चुअल भूमिपूजन आज उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में तिलक भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनके हाथों किया गया। इसी प्रकार वार्ड क्र. 24 तिलक भवन प्रेस क्लब में

पार्षद पंकज देवांगन के पार्षद मद से एलईडी प्रोजेक्टर, स्मार्ट टी.व्ही., साउण्ड सिस्टम व स्क्रीन स्थापना आदि का कार्य कराया गया है, जिसका लोकार्पण भी आज उद्योग मंत्री देवांगन के करकमलों से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर उद्योग मंत्री देवांगन ने दिये गये अपने उद्बोधन में आगे कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि जब मैं कोरबा का महापौर था, उस समय प्रेस क्लब का निर्माण किया गया, उस समय भी और आज भी नगर निगम कोरबा द्वारा प्रेस क्लब के विकास व अन्य गतिविधियों के लिये लगातार सहयोग दिया जा रहा है, विकास कार्य कराये जा रहे हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में सरकार ने पुनः इन योजनाओं को प्रारंभ कराया है। उन्होने कहा कि हमारी सरकार देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ-सबका विकास की नीति पर कार्य कर रही है तथा समाज के गरीब, निर्धन, मजदूर, किसान, युवा, महिला व हर वर्ग के लिये कल्याणकारी योजनायें संचालित कर उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाने का कार्य कर रही है।

उद्योग मंत्री विकास हेतु लगातार कर रहे फंड की व्यवस्था

इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन कोरबा के सभी 67 वार्डो में विकास कार्य कराये जाने हेतु लगातार धनराशि की व्यवस्था करा रहे हैं, उनके प्रयासों से विगत 02 वर्षो के दौरान विभिन्न मदों के अंतर्गत 1000 करोड़ रुपए के विकास कार्यो व परियोजनाओं की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।

सहजता, सरलता व सज्जनता के पर्याय हैं उद्योग मंत्री

इस अवसर पर प्रेस क्लब के अध्यक्ष राजेन्द्र जायसवाल ने कहा कि उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन अपनी सहजता, सरलता व सज्जनता के लिये जाने जाते हैं, आमजनता के बीच में भी उनकी छबि एक सहज, सरल व सज्जन व्यक्ति के रूप में अंकित है, जहाँ तक कोरबा के विकास का प्रश्न है, उन्होने अपने महापौर कार्यकाल और अब मंत्री कार्यकाल में उम्मीद से आगे बढ़कर कार्य कर रहे हैं। अभी हाल ही में महापौर ने प्रेस क्लब के मल्टी जिम की मरम्मत के लिये 02 लाख रुपए दिये हैं, उद्योग मंत्री देवांगन ने प्रेस काम्पलेक्स में शौचालय निर्माण हेतु 10 लाख रुपए की राशि स्वीकृत कराई है, आगे भी लगातार उनके द्वारा सहयोग दिया जायेगा, जिसके लिये मैं उद्योग मंत्री देवांगन व महापौर श्रीमती राजपूत के प्रति प्रेस क्लब कोरबा की ओर से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

वरिष्ठ पत्रकारों का उद्योग मंत्री व महापौर ने किया सम्मान

31 मार्च को कोरबा प्रेस क्लब का स्थापना दिवस भी मनाया गया, इस मौके पर उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने वरिष्ठ पत्रकारबंधुओं का शाल श्रीफल से सम्मान किया तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिये उन्हें बधाई दी। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार छेदीलाल अग्रवाल, राजेन्द्र पालीवाल, विश्वनाथ केडिया, मनोज शर्मा, विजय खेत्रपाल, प्रेमचंद जैन, किशोर शर्मा, राजश्री गुप्ते, रवि पी.सिंह व आकाश श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पार्षद नरेन्द्र देवांगन, अशोक चावलानी, पार्षद पंकज देवांगन, लक्ष्मण श्रीवास, ममता यादव, जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, नरेन्द्र पाटनवार, प्रेस क्लब के संरक्षक मनोज शर्मा, अध्यक्ष राजेन्द्र जायसवाल, उपाध्यक्ष रामेश्वर ठाकुर, सचिव नागेन्द्र श्रीवास, प्रीतम जायसवाल, अनिल यादव, प्रतिमा सरकार, ममता आदि के साथ समस्त पत्रकारबंधु उपस्थित थे।

5 दशक पुरानी नक्सल समस्या दो साल में समाप्ति की ओर : विजय शर्मा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। डिप्टी सीएम और गृह मंत्री विजय शर्मा ने रायपुर प्रेस क्लब में आयोजितह्यप्रेस से मिलिएह्लकार्यक्रम में 31 मार्च की डेडलाइन के आखिरी दिन बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि पांच दशकों पुरानी नक्सल समस्या दो साल में अब पूरी तरह खत्म हो चुकी है। यह राज्य के लिए यह स्मरणीय और वंदनीय है, जिसे सुरक्षा बलों, सरकार और बस्तर की जनता के संयुक्त प्रयासों से संभव बनाया गया। उन्होंने आगे कहा कि, दिसम्बर 2023 में सरकार बदल गई थी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में जनवरी 2024 की बैठक में एक चर्चा होती है कि, देश में 75 फीसदी नक्सलवाद हमारे छत्तीसगढ़ में था। उस बैठक में यह निर्देश दिए गए कि सीआरपीएफ, बीएसएफ और पुलिस इस बात की गणना बतायेगे कि, कैसे नक्सलवाद का समूल नाश और उन्मूलन किया जाएगा, यह अपनी रिपोर्ट में दें।

दूसरी बैठक में नक्सलवाद को खत्म करने का रोड मैप

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि, दूसरी बैठक 24 अगस्त 2024 में इन रिपोर्ट के आधार पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह घोषणा कि, जो नक्सली लोगों की हत्याएं करते हैं, उन्हें 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को समाप्त करने की घोषणा की थी। उस समय सभी के मन में यह आया था कि, यह कैसे होगा। मेरे मन में भी यह बात आई थी और मैंने उनसे पूछा भी था कि, यह कैसे होगा। तब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में रोडमैप बताया था। जिसमें उन्होंने सभी संस्थाओं की रिपोर्ट का जिक्र किया था। जिसमें उन्होने बताया था कि, कैसे इन योजनाओं पर काम करके हम नियत समय पर लक्ष्य को हासिल कर

पाएंगे।

बस्तर के लोगो ने ठाना लाल आतंक को खत्म करने का

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने आगे कहा कि, बस्तर की जनता ने लाल आतंक को स्वीकार करने का मन छोड़ दिया था। जिसमें उन्होंने यह ठान लिया था कि, नक्सलवाद खत्म होना चाहिए और बस्तर में स्कूल, रोड, अस्पताल, उन्नत किस्म के बीज और पानी समेत कई सुविधाएं पहुंचनी चाहिए। इसी बीच जनवरी से अगस्त के बीच में काफी और गतिविधियां हुई थी। जिसमें एक बार स्वयं मैंने बार कोड जारी कर कहा था कि, पुनर्वास कैसा होना चाहिए या अन्य फीडबैक दे सकते हैं। मैंने कहा था कि, यदि कोई बात करना चाहता है तो सरकार छोटे हो या बड़े समूह से निशर्त बात करने को तैयार है।

टेक्नोलॉजी बेस्ड इंटेलिजेंस से मिली परफेक्ट सफलता

डिप्टी सीएम ने कहा कि, लाल आतंक को खत्म करने का सबसे बड़ा श्रेय बस्तर की जनता को जाता है। दूसरा सबसे बड़ा श्रेय सशस्त्र बलों के जवानों को जाता है, जिनकी भुजाओं की ताकत से इसे संभव किया गया। विधानसभा चुनाव के पहले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा था कि, यदि सरकार बनती है तो हम नक्सलवाद को खत्म करने का काम करेंगे। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी इसकी घोषणा की और सरकार बनने पर इस पर कवायत भी शुरू हुई। इस अभियान में टेक्नोलॉजी बेस्ड इंटेलिजेंस को कई क्षेत्रों में पुख्ता किया गया। जिसमें जंगल स्पष्ट दिखता था, इसलिए जब ऑपरेशन हुए तो एकदम परफेक्ट सफलता मिली जिसमें अनेक नक्सली न्यूट्रलाइज हुए और जवानों को कोई खरोच तक नहीं आई।

फर्जी मुठभेड़ का विपक्ष ने लगाया था आरोप

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि, जब ऑपरेशन हो रहे थे तो विपक्ष से सहयोग की अपेक्षा थी। लेकिन उन्होंने फर्जी मुठभेड़ के आरोप लगाने शुरू कर दिए थे। जिसमें पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने भी फर्जी मुठभेड़ का आरोप लगाया था। जिसके बाद नक्सलियों ने पत्र जारी कर बताया था कि, हां इतने ही लोगों का एनकाउंटर हुआ है। यह ना जानते बुझते हुए भी सेना पर तोहमत लगा देना जैसी बात थी।

राज्यपाल से रेडियो संगवारी टीम ने की सौजन्य मुलाकात

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से आज लोक भवन में रेडियो संगवारी की टीम ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान टीम ने रेडियो संगवारी की परिकल्पना, उद्देश्यों तथा आगामी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। टीम के संस्थापक राहुल शर्मा ने बताया कि रेडियो संगवारी टीम द्वारा प्रदेश की समृद्ध लोक परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जा रही है। राज्यपाल ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध है और ऐसे प्रयास इसे संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने रेडियो संगवारी टीम को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान किया। इस अवसर पर रेडियो संगवारी टीम के डॉ. हेमंत सिरमौर, सुश्री श्रीया सिरमौर, शिवनंदन सरोज, तिलका साहू सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

5 नक्सलियों ने दंतेवाड़ा में किया सरेंडर, 40 हथियार बरामद

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

दंतेवाड़ा। नक्सल विरोधी अभियान के बीच जिले में बड़ी सफलता मिली, जहाँ पांच नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है। इन सभी पर कुल 9 लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार, सरेंडर के बाद नक्सलियों से पूछताछ में महत्वपूर्ण जानकारी मिली, जिसके आधार पर 40 हथियार बरामद किए गए हैं। इनमें एसएलआर, इंसास रायफल, कार्बाइन, 303 रायफल और बीजीएल लॉन्चर जैसे हथियार शामिल हैं। इस कार्रवाई को माओवादी संगठन की सैन्य क्षमता पर बड़ा झटका माना जा

रहा है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के पश्चिम बस्तर डिवीजन से जुड़े थे। इनमें एक एरिया कमेटी सदस्य (एसीएम) और अन्य पार्टी सदस्य शामिल हैं। सभी ने दंतेवाड़ा पुलिस लाइन कारली में ह्लपूना मारगेम - पुनर्वास से पुनर्जीवनह्ल योजना के तहत मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। इस दौरान आईजी बस्तर रेंज, डीआईजी सीआरपीएफ, कलेक्टर और एसपी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2024 से अब तक 607 माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं, जबकि 54 मारे गए और 92 को गिरफ्तार किया गया है। आईजी बस्तर रेंज ने कहा कि पुनर्वास योजना के तहत सरेंडर करने वाले युवाओं को सुरक्षा, रोजगार और सम्मानजनक जीवन का अवसर दिया जा रहा है। इससे क्षेत्र में शांति और विकास को बढ़ावा मिलेगा। पुलिस का मानना है कि लगातार चलाए जा रहे अभियानों और पुनर्वास नीतियों के कारण नक्सली संगठन कमजोर पड़ रहा है और अधिक से अधिक लोग मुख्यधारा में लौट रहे हैं।

आत्मसमर्पण करने वाले माओवादी

एसीएम/भैरमगढ़ एरिया कमेटी सोमे कड़ती पिता टोकडा कड़ती उम्र लगभग 42 वर्ष जाति मुरिया निवासी चेरली कोकोदीपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर (05 लाख)। पार्टी सदस्य/भैरमगढ़ एरिया कमेटी लखमा ओयाम पिता मोंडा ओयाम उम्र लगभग 19 वर्ष जाति मुरिया निवासी बेचापाल कड़तीपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर (01 लाख)। पार्टी सदस्य/भैरमगढ़ एरिया कमेटी सरिता पोड़ियाम पिता पण्डरू पोड़ियाम उम्र लगभग 21 वर्ष जाति मुरिया निवासी हिंगुम नयापारा थाना जंगला जिला बीजापुर (01 लाख)। पार्टी सदस्य/भैरमगढ़ एरिया कमेटी जोगी कलमू पिता सोमडा कलमू उम्र 20 वर्ष जाति मुरिया निवासी नेण्ड्रा गोटूमपारा थाना बासागुडा जिला बीजापुर (01 लाख)। पार्टी सदस्य/गंगालूर एरिया कमेटी मोटी ओयाम पिता हुंगा ओयाम उम्र 19 वर्ष जाति मुरिया निवासी पीडिया कुप्पागुडापारा थाना गंगालूर जिला बीजापुर (01 लाख)।

पूर्व सींएम ने दी केंद्रीय गृहमंत्री शाह को खुली बहस की चुनौती, नक्सलवाद पर सियासत तेज

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राज्य में नक्सलवाद के खात्मे के दावों के बीच अब राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान के बाद उन्हें खुली बहस की चुनौती दी है, वहीं मुख्यमंत्री साय ने पलटवार करते हुए बघेल के आरोपों को बताया है।

गृहमंत्री के बयान से शुरू हुआ विवाद

दरअसल, संसद में नक्सलवाद पर चर्चा के दौरान अमित शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़

में कांग्रेस की पिछली सरकार के दौरान केंद्र को अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। उन्होंने तीखे अंदाज में कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो वे इस संबंध में सबूत भी पेश कर सकते हैं। शाह ने यह भी कहा कि 2023 में राज्य में सरकार बदलने के बाद सहयोग बेहतर हुआ, जिसके आधार पर 24 अगस्त 2024 को 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त करने का लक्ष्य तय किया गया था।

प्रदेश की लाइफलाइन हुई सशक्त: मुख्यमंत्री ने 370 नई एम्बुलेंस को दिखाई हरी झंडी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। प्रदेश में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बनाने की दिशा में आज एक ऐतिहासिक पहल की गई। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने 300 बेसिक लाइफ सपोर्ट एवं 70 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंसों को हरी झंडी दिखाकर प्रदेश के सभी जिलों के लिए रवाना किया। इसके साथ ही 108 एम्बुलेंस की समस्त सेवाएं प्रदेशभर में तत्काल प्रभाव से प्रारंभ हो गई हैं, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सहायता सुनिश्चित होगी। इस पहल के अंतर्गत पहली बार प्रदेश में 5 नियोनेटल एएलएस एम्बुलेंसों की शुरूआत की गई है, जो नवजात शिशुओं की आपातकालीन देखभाल के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगी। यह सेवा राज्य की नवजात सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती है तथा गंभीर स्थिति में नवजात शिशुओं को सुरक्षित रूप से उच्च स्तरीय उपचार केंद्रों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं निरंतर सुदृढ़ हो रही हैं और पिछले दो वर्षों में इस क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता का भरोसा सरकारी अस्पतालों में लगातार बढ़ा है, जहां उन्हें समय पर उपचार मिल रहा है। उप-स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण एवं उन्नयन के कारण अब लोगों को छोटे-छोटे इलाज के लिए दूर शहरों की ओर नहीं जाना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य है कि शहरी क्षेत्रों में 15 मिनट और ग्रामीण क्षेत्रों में 30 मिनट के भीतर एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराई जाए, ताकि हर जरूरतमंद

मरीज तक समय पर स्वास्थ्य सहायता पहुंच सके। उन्होंने कहा कि 108 एम्बुलेंस सेवा का यह विस्तार आम जनता के विश्वास को और सशक्त करेगा कि संकट की घड़ी में सरकार पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से पहली बार शुरू की गई 5 नियोनेटल एएलएस एम्बुलेंस सेवा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नवजात शिशुओं के जीवन की सुरक्षा के प्रति सरकार की गंभीरता और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं के लिहाज से आज का दिन राज्य के लिए ऐतिहासिक है और इससे लाखों लोगों को त्वरित चिकित्सा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का दूसरा राज्य बन गया है, जहां नियोनेटल एम्बुलेंस सेवा शुरू की गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार प्रकट करते हुए ने कहा कि छत्तीसगढ़ अब स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है और आने वाले समय में इसमें और तेजी देखने को मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि एम्बुलेंस सेवा में किसी भी प्रकार की देरी या कमी की शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, जिसके लिए विशेष मॉनिटरिंग सिस्टम तैयार किया गया है। प्रदेश में एम्बुलेंस सेवा की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु यह लक्ष्य निर्धारित किया गया है कि शहरी क्षेत्रों में 15 मिनट एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 30 मिनट के भीतर एम्बुलेंस सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि प्रत्येक जरूरतमंद तक समय पर सहायता पहुंच सके। नियोनेटल एम्बुलेंस सेवा को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। इनमें प्रशिक्षित नवजात इमरजेंसी तकनीशियन, 247 ईएमटी एवं पायलट की उपलब्धता के साथ विशेषज्ञ चिकित्सक का ऑनलाइन मार्गदर्शन सुनिश्चित किया गया है। इन एम्बुलेंसों में इन्क्यूबेटर, वेंटिलेटर, डिफिब्रिलेटर, सिरिंज पंप, नेब्युलाइजर, सक्शन मशीन, पर्याप्त ऑक्सीजन सपोर्ट एवं 41 प्रकार की आपातकालीन दवाओं सहित सभी आवश्यक जीवनरक्षक सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो इन्हेंह्लचलते-फिरते नवजात आईसीयूह्लके रूप में स्थापित करती हैं। इसके अतिरिक्त बीएलएस, एएलएसएवं एम्बुलेंसों में मरीजों को मौके पर ही प्राथमिक एवं उन्नत चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए बीपी मॉनिटर, पल्स ऑक्सीमीटर, ईसीजी मॉनिटर, ग्लूकोमीटर जैसी जांच सुविधाओं के साथ ऑक्सीजन सपोर्ट, नेब्युलाइजेशन एवं अन्य आपातकालीन उपचार व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। गंभीर मरीजों के सुरक्षित स्थानांतरण हेतु पोर्टेबल वेंटिलेटर, डिफिब्रिलेटर मॉनिटर, सिरिंज पंप, लैरिंजोस्कोप सहित अन्य उन्नत उपकरण भी उपलब्ध कराए गए हैं। यह समग्र पहल प्रदेश के शहरी एवं दूरस्थ क्षेत्रों में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभ, त्वरित एवं प्रभावी उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए नागरिकों के लिए एक मजबूत जीवनरक्षक तंत्र के रूप में स्थापित होगी। इस अवसर पर विधायक मोती लाल साहू, विधायक इंद्र कुमार साहू, सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक म्हस्के, स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया, संचालक स्वास्थ्य सेवाएं संजीव झा, प्रबंध संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन रणबीर शर्मा, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा रितेश अग्रवाल सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

सम्पादकीय

चुनाव में नारी ही 'नारायणी'

देश में अगले महीने होने जा रहे 5 राज्यों के विधानसभा चुनावों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय लोकतंत्र में महिला मतदाता अब केवल संख्या नहीं, बल्कि निर्णायक शक्ति बन चुकी हैं। राजनीतिक दलों की रणनीतियों का केंद्र अब 'नारी शक्ति' ही है, जिसे कभी 'नारायणी' तो कभी 'तारणहार' के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। प्रश्न यह है कि क्या यह वास्तविक सशक्तिकरण है या फिर चुनावी लाभ का सुनियोजित गणित? पांच राज्यों के चुनावी परिदृश्य पर नजर डालें तो साफ दिखता है कि चार राज्यों तमिलनाडु, असम, केरल और पश्चिम बंगाल में सरकारों और दलों ने महिलाओं को सीधे नकद सहायता देने की योजनाओं पर बड़ा दांव लगाया है। इन योजनाओं के तहत करोड़ों महिलाओं के खातों में हजारों करोड़ रुपये ट्रांसफर किए जा रहे हैं। तमिलनाडु में 2-2 हजार रुपये का विशेष पैकेज, असम में बिहू के अवसर पर 4-4 हजार रुपये, केरल में मासिक सहायता के रूप में एक-एक हजार और पश्चिम बंगाल की 'लक्ष्मी भंडार' योजना, ये सभी उदाहरण इस नए चुनावी ट्रेंड को दर्शाते हैं। इन योजनाओं का दायरा भी कम नहीं है। चारों राज्यों में लगभग 4.1 करोड़ महिलाएं इनका लाभ ले रही हैं, जो कुल मतदाताओं का लगभग 23% हैं। यह आंकड़ा अपने आप में बताता है कि राजनीतिक दलों के लिए यह वर्ग कितना महत्वपूर्ण हो चुका है। यही कारण है कि पिछले 5 वर्षों में ऐसी नकद हस्तांतरण योजनाओं वाले राज्यों की संख्या एक से बढ़कर 15 हो गई है और कुल मिलाकर 13 करोड़ से अधिक महिलाओं को सालाना 2.46 लाख करोड़ रुपये तक की सहायता दी जा रही है। इन योजनाओं का एक सकारात्मक पक्ष भी है। ये महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक कदम हो सकती हैं। विशेषकर ग्रामीण और निम्न आय वर्ग की महिलाओं के लिए यह सहायता जीवन स्तर सुधारने, बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च करने में सहायक बन सकती हैं। हरियाणा की 'लाडो लक्ष्मी', मध्य प्रदेश की 'लाड़ली बहना' या कर्नाटक की 'गृह लक्ष्मी' जैसी योजनाओं ने यह दिखाया है कि यदि सही ढंग से लागू हों, तो ये योजनाएं राजनीतिक और सामाजिक दोनों स्तरों पर प्रभाव डाल सकती हैं, लेकिन इसका दूसरा पहलू भी उतना ही गंभीर है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि इन योजनाओं के बढ़ते बोझ का असर राज्यों की वित्तीय स्थिति पर पड़ रहा है। कई राज्यों को अपने विकास कार्यों में कटौती करनी पड़ रही है। महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों में महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर खर्च घटाने के उदाहरण सामने आए हैं। 'मुफ्त योजनाओं' की बढ़ती प्रतिस्पर्धा एक खतरनाक प्रवृत्ति को जन्म दे रही है, जो दीर्घकाल में आर्थिक असंतुलन पैदा कर सकती हैं। इस संदर्भ में यह भी जरूरी है कि महिला सशक्तिकरण को केवल नकद सहायता तक सीमित न रखा जाए। वास्तविक सशक्तिकरण तब होगा, जब महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और सुरक्षा के बेहतर अवसर मिलें। आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम, कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देना कहीं अधिक स्थायी समाधान हो सकता है। कुल मिलाकर यह कहना गलत नहीं होगा कि चुनावों में नारी आज 'नारायणी' बन चुकी हैं। परंतु यह परिवर्तन केवल राजनीतिक लाभ का माध्यम न बन जाए, इसका ध्यान रखना आवश्यक है। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि मतदाता अल्पकालिक लाभ के बजाय दीर्घकालिक विकास और सुशासन को प्राथमिकता दें। तभी सच्चे अर्थों में नारी शक्ति का सम्मान और राष्ट्र का समग्र विकास संभव हो सकेगा।

संभावनाएं

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

अब वैश्विक शिक्षा केंद्र बनने का अवसर

इन दिनों वैश्विक शिक्षा केंद्रों पर प्रकाशित हो रही विभिन्न रिपोर्टों में भारत के वैश्विक शिक्षा के नए केंद्र के रूप में स्थापित होने की संभावनाएं प्रस्तुत की जा रही हैं। हाल ही में 25 मार्च को वैश्विक उच्च शिक्षा सेवाओं का मूल्यांकन करने वाली ख्याति प्राप्त अग्रणी कंपनी ब्रिटेन स्थित क्यूएस क्वाक्वेरेली साइमंड्स द्वारा प्रकाशित 16वीं वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2025 में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी की रैंकिंग में भारतीय शैक्षणिक संस्थानों का अभूतपूर्व प्रदर्शन रहा है। भारत ने इस साल विभिन्न विषयों और संकाय क्षेत्रों में शीर्ष 50 में से 27 स्थान हासिल किए हैं, जो कि पिछले वर्ष 2024 में दर्ज किए गए 12 स्थानों की तुलना में दोगुने से भी अधिक हैं। वास्तव में यह रैंकिंग भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली की बढ़ती वैश्विक साख और भविष्य की संभावनाओं को दर्शाती है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस समय भारत एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय शिक्षा गंतव्य देश बनने की ओर अग्रसर है। साथ ही वर्ष 2030 तक भारत आने वाले विदेशी छात्रों की संख्या में हर साल लगभग आठ प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी का अनुमान है। गौरतलब है कि जहां वर्ष 2022 में 39 हजार से अधिक विदेशी छात्र भारत आए थे, वहीं वर्तमान में लगभग 200 देशों के 72 हजार से अधिक विदेशी छात्र भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत हैं। अब केंद्र सरकार ने 'स्टडी इन इंडिया' पहल के तहत 2030 तक प्रतिवर्ष 2 लाख विदेशी छात्रों को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा है। यह संकेत है कि सरकार भारत को केवल प्रतिभाओं की आपूर्तिकर्ता के रूप में नहीं, वरन वैश्विक शिक्षा केंद्र के रूप में स्थापित करने की राह पर आगे बढ़ रही है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि अब हर साल बड़ी संख्या में गुणवत्तापूर्ण कौशल, अनुसंधान सुविधाओं और उच्च शिक्षा के बाद विदेश में ही करियर के अवसरों को पाने के मद्देनजर विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या लगातार घट रही है। हाल ही में संसद में बताया गया कि वर्ष 2023 में 9.08 लाख भारतीय छात्र विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए गए थे। वर्ष 2024 में यह संख्या गिरकर 7.7 लाख पर आ गई और वर्ष 2025 में यह संख्या और घटकर 6.26 पर पहुंच गई। निसंदेह भारत में वर्ष-प्रतिवर्ष उच्च शिक्षा के लिए आने वाले विदेशी छात्रों की बढ़ती संख्या और भारत से उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या में कमी के कई कारण हैं। सरकार ने पिछले कुछ सालों में उच्च शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाने के कई कदम उठाए हैं। 'नेशनल एजुकेशन पॉलिसी' (एनईपी) 2020 के जरिए शिक्षा व्यवस्था में सुधार किए गए हैं। एनईपी के तहत एजुकेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड करने, मान्यता देने की व्यवस्था मजबूत करने, रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ावा देने और डिजिटल एजुकेशन का विस्तार करने का अभियान लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। उच्च शिक्षा में ऐसे गुणात्मक सुधार से भारत के शिक्षा संस्थानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक मान्यता मिल रही है। यही कारण है कि क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में भारतीय संस्थानों की संख्या 2014-15 के मात्र 11 से बढ़कर नवीनतम संस्करण में 54 हो गई है। वैश्विक स्तर की शिक्षा व्यवस्था को भारत में लाने के मद्देनजर 19 विदेशी यूनिवर्सिटीज को भारत में कैंपस स्थापित करने की इजाजत दी गई है। इससे जिस वैश्विक शिक्षा के लिए पहले छात्रों को विदेश जाना पड़ता था, अब वही शिक्षा आसानी से भारत में ही मिलने की व्यवस्था सुनिश्चित हुई है। निश्चित रूप से विदेशी यूनिवर्सिटीज को भी भारत में बड़ी संख्या में छात्र मिलने का लाभ है। भारत में उच्च शिक्षा की मांग में तेजी से वृद्धि हो रही है।

इस समय उच्च शिक्षा में छात्रों की जो संख्या 4.46 करोड़ से अधिक है, वह बढ़कर 2035 तक 8.6 करोड़ से अधिक होने की उम्मीद है। चूंकि वैश्विक यूनिवर्सिटीज भारत में डिग्री प्रदान कर सकती हैं, अतएव छात्रों के लिए विदेश जाने के खर्च और अनिश्चितताओं के बिना अंतरराष्ट्रीय स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भारत में ही लेना लाभप्रद है। इतना ही नहीं, भारतीय छात्रों के लिए शिक्षा के प्रमुख गंतव्य देश, खासकर अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में आव्रजन नियमों में सख्ती आई है और वीजा जांच के अलावा वित्तीय लागत बढ़ गई है। हाल ही में प्रकाशित अमेरिका के स्टेट डिपार्टमेंट की रिपोर्ट मार्च 2026 के मुताबिक पिछले वर्ष जनवरी से अगस्त 2025 के बीच अमेरिका के द्वारा परमानेंट रेजिडेंट और टेंपरेरी वीजा मंजूरी में साल भर पहले की तुलना में 11 फीसदी की कमी आई है। इसका असर भारत के छात्रों पर अधिक पड़ा है और अमेरिका जाने वाले छात्रों की संख्या में तेज गिरावट आई है। इतना ही नहीं, अमेरिका में जो छात्र अध्ययनरत हैं, उनके लिए भी रोजगार ढूंढना मुश्किल हो गया है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि सरकार हरसंभव तरीके से भारत को वैश्विक शिक्षा व डिजिटल शिक्षा का केंद्र बनाने के लिए प्रयास कर रही है। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट के तहत शिक्षा व्यवस्था के विभिन्न आवंटनों को वैश्विक शिक्षा और अर्थव्यवस्था की वास्तविक जरूरतों के मद्देनजर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई), इनोवेशन, ऑटोमेशन, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल बिजनेस से सम्बद्ध करने संबंधी प्रभावी पहल की गई है। निश्चित रूप से भारत के पास बदलते हुए दौर में उच्च शिक्षा का वैश्विक केंद्र बनने के अवसर मौजूद हैं। इसे मुट्ठी में करने के लिए रणनीतिक रूप से और तेजी से आगे बढ़ना होगा। देश को शिक्षा के तहत आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में तेजी से उन्नत कौशल विकसित करने की रणनीति अपनाना होगी। देश में वैश्विक शिक्षा को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण बनाकर खासतौर से एशिया, अफ्रीका, पश्चिम एशिया सहित कई विकसित और विकासशील देशों के छात्रों के कदम भारत की यूनिवर्सिटीज की ओर मोड़ने के लिए प्रयास करने होंगे।

भारत को इंजीनियरिंग, प्रबंधन, स्वास्थ्य विज्ञान, डिज़ाइन, मीडिया और उभरती प्रौद्योगिकियों की वैश्विक शिक्षा का हब बनाने के विशेष प्रयत्न करने होंगे। देश की यूनिवर्सिटीज को उद्यमिता, नवाचार, अनुसंधान की गुणवत्ता, प्रयोगशालाओं में निरंतर निवेश, वैश्विक संस्थानों के साथ आसान सहयोग, नियामक ढांचों के लिए कठोर मानकों के साथ यूनिवर्सिटिज को अधिक स्वायत्तता से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना होगा। देश में विदेशी परिसरों को आकर्षित करने के मद्देनजर भारतीय यूनिवर्सिटियों की रैंकिंग को और ऊंचाई पर पहुंचाना होगा। इन सबके साथ-साथ सरकार के द्वारा उच्च शिक्षा और डिजिटल शिक्षा पर निवेश बढ़ाना होगा। उम्मीद करें कि सरकार पश्चिम एशिया युद्ध से बदलती हुई दुनिया में भारत को एआई तथा भविष्य की टेक्नोलॉजी पर आधारित वैश्विक और डिजिटल शिक्षा का ऐसा सस्ता और गुणवत्तापूर्ण हब बनाने की राह पर आगे बढ़ेगी, जिससे भारत से उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या में और कमी आए तथा विदेश से उच्च शिक्षा के लिए भारत आने वाले छात्रों की संख्या में और वृद्धि हो।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

स्वास्थ्य

बाल मुकुन्द ओझा

घटिया और नकली दवाओं से बिगड़ रही देश की सेहत

सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद देश में घटिया और नकली दवाओं पर पूरी तरह लगाम नहीं लगाई जा सकी है, जिसके कारण देश के लाखों लोगों की सेहत सुधरने के बजाय बिगड़ रही है। भारत में नकली, घटिया और अवैध दवाओं का धंधा तेजी से फैल रहा है, जिसकी वजह से रोगियों की जान जोखिम में है। विशेषज्ञों के मुताबिक जो दवाएं धोखाधड़ी से निर्मित या पैक की गई हैं, उन्हें नकली और घटिया दवाएं कहा जाता है क्योंकि उनमें या तो सक्रिय अवयवों की कमी होती है या गलत खुराक होती है। नकली दवाओं के काले-कारोबार पर पुलिस और सरकारी एजेंसियों की छापेमारी की खबरें आये दिन मीडिया की सुर्खियां बनती हैं। अनेक बार लाखों करोड़ों रुपयों की घटिया दवाएं खपत होने के बाद सरकारी एजेंसियों की नज़र में आती है। बहुदा ऐसा भी देखा जाता है कि जब तक इन दवाओं की घटिया होने की रिपोर्ट आती है, तब तक ये बाजार में बिक चुकी होती हैं। रोजमर्रा में काम आने वाली दवाओं के जांच में फेल होने पर लोग सकते में है। केंद्रीय औषधि नियामक ने अपनी कई रिपोर्टों में साफतौर पर जाहिर किया है कि बुखार, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, पेट में संक्रमण आदि स्वास्थ्य समस्याओं के लिए जिन दवाओं का आप इस्तेमाल करते हैं, असल में उनकी क्वालिटी खराब है। इतना ही नहीं, बहुत सी दवाएं तो नकली हैं, जिन्हें बड़ी कंपनियों के ब्रांड के नाम से बेचा जा रहा है। इन दवाओं के उपयोग को लेकर सुरक्षा संबंधी चिंताएं पैदा हो गई हैं। आप दवाई खरीदने के लिए बाजार में जा रहे हैं तो पूरी सावधानी और सतर्कता बरतते हुए दवाइयों की जांच करके लें और अपनी दवाइयों को डॉक्टर को एक बार जरूर दिखा दें, क्योंकि इन दिनों बाजार में घटिया दवाइयों को असली बता कर खुलेआम बेचा जा रहा है। देश में हर बीमारी के लिए नकली दवाएं उपलब्ध हैं। इन नकली दवाओं की पहचान करना आप और हमारे लिए बेहद मुश्किल और लगभग असंभव है। हमारे देश में अंग्रेजी दवाइयों ने घर-घर में अपना साम्राज्य स्थापित कर लिया है। जिसे देखो अंग्रेजी दवाइयों के पीछे भागता मिलेगा। सामान्य बीमारियों से लेकर असाध्य बीमारियों की दवा आज घरों में मिल जाएगी। इनमें चिकित्सकों द्वारा लिखी दवाइयों के अलावा वे दवाइयां भी शामिल हैं जो मेडिकल स्टोर्स से बीमारी बताकर खरीदी गई हैं अथवा गूगल से खोजकर निकाली गई हैं। ये दवाइयां असली हैं या घटिया अथवा नकली, ये भी आम लोगों को मालूम नहीं है। घटिया दवाइयों का बाजार आजकल खूब फलफूल रहा है। आए दिन घटिया और नकली दवाइयां बरामद करने की खबरें मीडिया में सुर्खियों में पढ़ने को मिल रही हैं। इन दवाइयों के सेवन से साधारण खांसी-बुखार और जुकाम को ठीक होने में एक पखवाड़ा या महीना लग जाता है। इसके बावजूद ऐसी दवाइयां खरीदने में हमें कोई हिचकिचाहट नहीं हो रही है। भारत दवाओं का सबसे ज्यादा प्रोडक्शन करने वाला देश है। मगर देशवासियों को अच्छी गुणवत्ता की दवाएं नहीं मिल पा रही हैं। इंडिया ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन के मुताबिक, भारत में फार्मा इंडस्ट्री बीते कुछ सालों में तेजी से बढ़ रही हैं। इसमें साल 2020 से 2025 के बीच 37 प्रतिशत कंपाउंडएनुअल ग्रोथ का अनुमान जताया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सबसे अधिक मात्रा में दवाइयां बनाने में भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा देश है। देश में सबसे तेज गति से बढ़ रहे इस कारोबार के 55 बिलियन डॉलर तक पहुंचने के साथ ही नकली और घटिया दवाओं का अवैध कारोबार भी बढ़ रहा है, जिससे लोगों की जान पर खतरा बढ़ता जा रहा है। एसोचैम ने अपनी एक रिपोर्ट में देश में बनने वाली कुल दवाओं का 25 प्रतिशत नकली और खराब गुणवत्ता वाली दवाएं बनने और बिकने का खुलासा किया था, जो विश्व की कुल नकली दवाओं का 35 प्रतिशत है। देश में नकली और घटिया दवाओं की बाढ़ आ गई है। आए दिन देश के विभिन्न भागों में घटिया और अमानक दवाएं पकड़ी जा रही हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत सहित विभिन्न देशों में नकली दवाओं का कारोबार लगभग तीस अरब डॉलर तक पहुंच गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत नकली दवाओं का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। भारत में 25 फीसदी के करीब दवाइयां नकली बिक रहीं हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

शिव के अंश से जन्म पर मनुष्य होता है ज्ञानी

साधक दो प्रकार के होते हैं। एक प्रकार के साधक का स्वभाव बंदर के बच्चे की तरह होता है, दूसरे प्रकार के साधक का स्वभाव बिल्ली के बच्चे की तरह। बंदर का बच्चा स्वयं अपनी मां को पकड़े हुए उससे लिपटा रहता है, पर बिल्ली का बच्चा स्वयं मां को नहीं पकड़ता, मां उसे जहां छोड़ दे, वहीं पड़ा रहता है। बंदर का बच्चा स्वयं अपनी मां को पकड़े रहता है, इसलिए

संकलित

दर्शन

अगर कभी उसका हाथ छूट जाए तो वह गिर पड़ता है और उसे चोट पहुंचती है। पर बिल्ली के बच्चे को यह भय नहीं है, क्योंकि उसे उसकी मां स्वयं पकड़कर एक जगह से दूसरी जगह ले जाती है। इसी प्रकार, ज्ञानयोगी या कर्मयोगी साधक बंदर के बच्चे की तरह स्वयं के प्रयत्न से मुक्तिलाभ करने का प्रयास करता है, परंतु भक्त साधक ईश्वर को ही एकमात्र कर्ता जानकर बिल्ली के बच्चे की तरह उन्हीं के चरणों में निर्भय होकर निश्चित पड़ा रहता है। ज्ञानी कहता है सोहम् मैं ही वह शुद्ध आत्मा हूं। परंतु भक्त कहता है, अहा, यह सब उनकी ही महिमा है। यह सब कुछ मैं हूं, यह सब कुछ तुम हो, तुम स्वामी हो, मैं सेवक-इन तीन भावों में से किसी भी एक में दृढ़ रूप से प्रतिष्ठित होने पर ही भगवत्प्राप्ति होती है। शिव के अंश से जन्म होने पर मनुष्य ज्ञानी होता है। उसका मन सदा ब्रह्म सत्य, जगत मिथ्या, इसी बोध की ओर जाता है। विष्णु के अंश से जन्म हो तो प्रेम-भक्ति होती है। उसके मन से प्रेम-भक्ति कभी नहीं जाती। बहुत ज्ञान विचार करने के बाद यदि किसी समय यह प्रेम-भक्ति कुछ कम भी हो जाए तो फिर और एक समय यह यदुवंश का ध्वंस करने वाले मूसल की तरह देखते ही बढ़ भी जाती है।

जब काम बड़ा हो तो बुद्धि से काम लेना चाहिए

गणेश जी प्रथम पूज्य हैं और इससे संबंधित एक कथा है। शास्त्रों के मुताबिक, एक दिन गणेश जी और कार्तिकेय स्वामी के बीच प्रतियोगिता हुई कि कौन सबसे पहले संसार का चक्कर लगाकर लौटता है। कार्तिकेय स्वामी का वाहन मयूर यानी मोर है और गणेश जी का वाहन चूहा है, जो कि मोर की अपेक्षा बहुत धीरे चलता है। कार्तिकेय तो अपने वाहन मयूर

संकलित

प्रेरणा

पर बैठकर उड़ गए, लेकिन गणेश जी का वाहन चूहा है तो उन्होंने विचार किया कि अगर मैं चूहे पर बैठकर संसार की परिक्रमा करूंगा तो बहुत समय लग जाएगा, कार्तिकेय ये प्रतियोगिता जीत जाएंगे। उन्होंने कुछ सोचा और फिर शिव-पार्वती की परिक्रमा करनी शुरू कर दी। गणेश जी ने कहा कि मेरा संसार को मेरे माता-पिता ही हैं। गणेश जी की बुद्धिमानी से शिव जी इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने अपने पुत्र गणेश को प्रथम पूज्य होने का वरदान दे दिया। हालांकि इस बात से कार्तिकेय स्वामी गणेश जी के साथ ही शिव-पार्वती से भी नाराज हो गए थे। नाराज होकर कार्तिकेय स्वामी क्रौंच पर्वत पर रहने चले गए। ये पर्वत वर्तमान में मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग जहां है, वहां स्थित है। गणेश जी तो प्रथम पूज्य बन गए, लेकिन नाराज कार्तिकेय को मनाने के लिए शिव-पार्वती ने बहुत कोशिशें कीं। जब कार्तिकेय स्वामी की नाराजगी दूर नहीं हुई, तब शिव-पार्वती ने तय किया कि अब से वे हर अमावस्या और पूर्णिमा पर बारी-बारी से कार्तिकेय से मिलने पहुंचेंगे। मान्यता है कि इसी कथा की वजह से मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग में शिव-पार्वती ज्योति स्वरूप में विराजित रहते हैं।

अत्याचार के विरुद्ध इस्लाम का दृष्टिकोण न्याय या प्रतिशोध ,ज्वलंत सवाल

सैय्यद जाहिद अली रियासत

आज जब हर ओर शक्ति का टकराव, बदला, हिंसा, दुःख, क्रोध, आक्रोश और भड़काऊ बयानों का दौर चरम पर है, तब यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो गया है कि अत्याचार या अन्याय का उत्तर क्या होना चाहिए और लोगों को इसका सामना कैसे करना चाहिए? दुनिया भर में कुछ आवाजें, जो गुस्से और उकसावे पर आधारित हैं, यह दावा करती हैं कि हिंसा, विनाश और हत्या ही अत्याचार और जुल्म का एकमात्र इलाज है। डिजिटल माध्यमों ने इस विचार को बड़े पैमाने पर फैलाया है। सवाल यह भी है कि प्रतिशोध और न्याय क्या हैं? क्या दोनों एक ही हैं या अलग-अलग? और यदि हम मुसलमान हैं, तो इस विषय में इस्लाम का दृष्टिकोण क्या है, यह जानना भी आवश्यक है। यदि इसे ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो यह बात आसानी से समझ में आती है। इस्लाम का उदय उसी वातावरण में हुआ था जहाँ प्रतिशोध और हिंसा का बोलबाला था और जिसने दुनिया को अत्याचार और जुल्म से भर दिया था। हर ओर रक्तपात बढ़ रहा था और अरब की कबीलों के बीच छोटी-छोटी बातों पर वर्षों तक युद्ध चलते रहते थे। किसी के बगीचे या खेत में ऊँट के चरने जैसे छोटे विवाद पर भी हजारों लोगों की जान चली जाती थी और लड़ाई तब तक जारी रहती थी जब तक एक पक्ष पूरी तरह समाप्त न हो जाए। दुनिया के अन्य हिस्सों की स्थिति भी इससे अलग नहीं थी। मानवता को इस स्थिति से निकालने के लिए इस्लाम के पैगंबर ने जो कुछ सहा और जितनी कुर्बानियाँ दीं, उन्हें सोचकर पत्थर दिल भी पिघल जाए। कुरैश के अत्याचारों को वर्षों तक सहना, सामाजिक बहिष्कार और घेराबंदी झेलना, फिर भी एक बार भी शक्ति या हिंसा का प्रयोग न करना, अपने घर-बार को छोड़कर दो बार हिजरत करना, और मदीना में इस्लाम को स्थिरता मिलने के बाद भी केवल रक्षात्मक युद्ध लड़ना तथा अन्यायपूर्ण शर्तों पर भी शांति समझौता करना—ये सभी घटनाएँ बताती हैं कि प्रतिशोध और हिंसा से मुक्ति का मार्ग कितना कठिन है और इसके लिए कितनी अटूट सहनशक्ति की आवश्यकता होती है। मक्का विजय के अवसर पर पैगंबर ने केवल अपने खून के प्यासे दुश्मनों को ही माफ नहीं किया, बल्कि अपने प्रियजनों के खून का बदला भी माफ कर दिया। हिजरत के बाद उन्होंने सबसे पहले मदीना की उन कबीलों के बीच शांति स्थापित की जो एक-दूसरे के खून के प्यासे थे। मुहाजिरीन और अंसार के बीच भाईचारे का संबंध, कुरैश के साथ हुदैबिया का समझौता, मक्का विजय के अवसर पर आम माफी की घोषणा, और फिर अंतिम हज का खुत्बा—ये सभी इस्लामी इतिहास के ऐसे महत्वपूर्ण पड़ाव हैं जो बताते हैं कि इस्लाम की जीत दुश्मनों की हत्या और विनाश में नहीं, बल्कि शांति और न्याय की स्थापना में और प्रतिशोध के अंतहीन चक्र को तोड़ने में है। अंतिम हज के खुत्बे के इन शब्दों को याद रखें: ह्लजाहिलियत (अज्ञानता) की सभी प्रथाएँ आज मेरे पैरों तले रौंद दी गई हैं। किसी अरब को गैर-अरब पर और न किसी गैर-अरब को अरब पर कोई श्रेष्ठता है; न गोरे को काले पर और न काले को गोरे पर। तुम सब आदम की संतान हो और आदम मिट्टी से बनाए गए। ऐ लोगो! तुम्हारा खून, तुम्हारी संपत्ति और तुम्हारी इज्जत एक-दूसरे के लिए उतनी ही पवित्र हैं जितना इस दिन, इस शहर और इस महीने का पवित्र होना है। सावधान! मेरे बाद गुमराह न हो जाना कि एक-दूसरे की गर्दनें काटने लगो। मैं जाहिलियत के सभी खून के विवादों को समाप्त करता हूँह्व सूद (ब्याज) पूरी तरह खत्म किया गयाह्व न तुम अत्याचार करो और न तुम पर अत्याचार होह्व यह इस्लाम का मूल दृष्टिकोण है और अत्याचार, अन्याय, शोषण और हिंसा के विषय में पैगंबर का अंतिम संदेश है। इतिहास में पैगंबर द्वारा पूरे अरब पर प्रभुत्व प्राप्त करने के बाद भी अपने परिवार के खून और सभी प्रकार के सूद को माफ कर देना एक ऐसी क्रांतिकारी घटना थी जिसका कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि यदि मुसलमान फिर उसी प्रतिशोध और हिंसा के चक्र में फँस जाएँ जिससे पैगंबर ने उन्हें निकाला था, तो उनकी सारी मेहनत और कुर्बानियाँ व्यर्थ हो जाएँगी। इस समस्या का एक और पहलू है। दुनिया में जितनी भी विचारधाराएँ हैं, वे सभी समाज और व्यक्ति के कल्याण का दावा करती हैं, लेकिन उनके बीच मूल अंतर यह है कि कुछ केवल लक्ष्य को सही मानती हैं, जबकि कुछ लक्ष्य और मार्ग दोनों को सही और सीधा मानती हैं। सच्चा धर्म अपने अनुयायियों को यह सिखाता है कि लक्ष्य और मार्ग दोनों सही होने चाहिए। किसी भी कीमत पर सफलता प्राप्त करने की सोच इंसान को जानवरों की श्रेणी में ला खड़ा करती है। यही सोच दुनिया में संघर्ष और दुश्मनी को जन्म देती है। इस्लाम मूल रूप से सफलता का एक अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है—यह दुनिया की सफलता के बजाय आखिरत की सफलता पर आधारित है। यह दृष्टिकोण भावनात्मक प्रतिक्रिया पर नहीं, बल्कि न्याय पर आधारित है; विनाश पर नहीं, बल्कि सुधार पर; प्रतिशोध पर नहीं, बल्कि दिव्य नैतिकता पर; घृणा पर नहीं, बल्कि भलाई, मार्गदर्शन और जवाबदेही पर। इस्लाम में न्याय कोई वैकल्पिक विषय नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आदेश है। कुरआन कहता है: ह्लऐ ईमान वालों! न्याय पर मजबूती से कायम रहो, अल्लाह के लिए गवाही दो, चाहे वह तुम्हारे अपने खिलाफ ही क्यों न होह्व (4:135)। यहाँ न्याय हर पहचान से ऊपर है। यहाँ तक कि दुश्मनों के साथ भी न्याय का आदेश है: ह्लकिसी कौम की दुश्मनी तुम्हें इस बात पर न उकसाए कि तुम न्याय न करो; न्याय करो, यही तकवा के अधिक निकट हैह्व (5:8)। इस्लाम आत्मरक्षा और कानूनी न्याय का अधिकार देता है, लेकिन उसे सख़्त अनुशासन में रखता है। कुरआन कहता है: ह्लबुराई का बदला उसी के समान बुराई है, लेकिन जो माफ कर दे और सुलह कर ले, उसका बदला अल्लाह के पास हैह्व (42:40)। इस्लाम अनुपातिक बदले और मेल-मिलाप पर जोर देता है, न कि बढ़ती हुई हिंसा पर। निर्दोषों को निशाना बनाना, सामूहिक दंड देना या विनाश फैलाना पूरी तरह हराम है। पैगंबर ने युद्ध के दौरान भी गैर-युद्धरत लोगों, फसलों और इबादतगाहों को नुकसान पहुँचाने से मना किया। गुस्सा स्वाभाविक है, लेकिन अनियंत्रित गुस्सा विनाशकारी होता है। पैगंबर ने सच्ची ताकत उसी को बताया है जो अपने गुस्से पर काबू रखे। आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्था में, जहाँ संवैधानिक प्रक्रियाएँ, अदालतें, मीडिया और नागरिक समाज मौजूद हैं, वहाँ इस्लाम का दृष्टिकोण और भी स्पष्ट हो जाता है—सुधार के लिए कानूनी और नैतिक रास्ता अपनाओ। इस्लाम अत्याचार के सामने झुकना नहीं सिखाता, लेकिन अंधा प्रतिशोध भी नहीं सिखाता। यह एक संतुलित मार्ग दिखाता है: अन्याय के खिलाफ डटे रहो, लेकिन नैतिक और कानूनी तरीके से। गुस्से की जगह रणनीति अपनाओ, विनाश की जगह सुधार करो, और प्रतिशोध की जगह न्याय को चुनो। क्योंकि असली जीत दुश्मन को हराने में नहीं, बल्कि सत्य, नैतिकता और ईमानदारी पर अडिग रहने में है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार है

ट्रेंड

मछुआरों पर गर्व

हमें अपने मछुआरों पर गर्व है! ओडिशा, लक्षद्वीप और कर्नाटक के उन प्रयासों को विशेष रूप से दर्शाया गया है जो यह दिखाते है कि यह क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में किस प्रकार योगदान दे रहा है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

फिटनेस पर ध्यान दें

मेरा हमेशा से यह आग्रह रहा है कि आप सभी अपनी फिटनेस पर जरूर ध्यान दें। 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' पर अब 100 दिवस से भी कम दिन बचे है, वैश्विक स्तर पर योग को दुनियाभर में बढ़ावा मिल रहा है। हमें खाने के तेल में 10 प्रतिशत की कमी और शुगर इंटेक को कम करना होगा।

- जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

पीड़ितों को न्याय नहीं

ऊना की चीख आज भी इंसाफ के दरवाजे पर दस्तक दे रही है। बीते 10 सालों से पीड़ित न्याय के लिए दर-दर भटक रहे है। अपमान, हिंसा और हत्या- बीजेपी शासित गुजरात में दलितों, आदिवासियों की यही हकीकत बना दी गई है।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी

भाजपा राज में सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी का इन्सिनेरेटर पूरी तरह जंग खाकर जर्जर हो चुका है। ऐसे में यदि संक्रमण और प्रदूषण फैलाने वाला मेडिकल कूड़ा-कचरा सही तरीके से भस्म नहीं किया जाएगा तो वो स्वयं बीमारियों का कारण बनेगा।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

लोगों को गुमराह करने और सुर्खियां बटोरने कांग्रेस कागजों पर करती थी समझौते, भाजपा के लिए राज्य में शांति बहाली और विकास होगा पहली शर्त

असम में 'मेरा बूथ सबसे मजबूत संवाद' में बोले पीएम मोदी, कांग्रेस पर किया हमला

पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 'मेरा बूथ सबसे मजबूत संवाद' नामक जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत नमो एप के माध्यम से असम के पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कांग्रेस सरकार को घेरा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/ गुवाहाटी

पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 'मेरा बूथ सबसे मजबूत संवाद' नामक जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत नमो एप के माध्यम से असम के पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत की। इसमें पीएम मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं के विचार जाने और उन्हें चुनाव में जीत के लिए कड़ी मेहनत का गुरुमंत्र दिया। इस दौरान पीएम मोदी ने बीते एक दशक में असम में तेज विकास होने की बात भी कही। कार्यकर्ताओं से संवाद के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राज्य के विकास के लिए सबसे पहली शर्त शांति है। उन्होंने कहा कि राज्य लंबे समय तक अस्थिता से जूझा है, लेकिन पिछले दशक में चीजें बदल गई हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने पूर्वोत्तर में विभिन्न संगठनों के साथ 12 शांति समझौते किए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को लोगों को यह याद दिलाना चाहिए कि कांग्रेस सरकार सिर्फ सुर्खियां बटोरने और लोगों को गुमराह करने के लिए कागजों

नमो एप के माध्यम से असम के पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत की

कार्यकर्ताओं के विचार जाने और उन्हें जीत के लिए कड़ी मेहनत का मंत्र दिया

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते प्रधानमंत्री

मैं भी अपनी जिम्मेदारी निभा रहा, जीत का भी रिकॉर्ड तोड़िए

पीएम ने यह भी कहा कि सभी लोग असम में भाजपा-एनडीए सरकार की 'हैट्रिक' सुनिश्चित करने के लिए मेहनत कर रहे हैं। मैं भी आप की तरह एक कार्यकर्ता हूं। मुझे जो भी जिम्मेदारी दी जाती है, मैं उसे निभाता हूं। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से राज्य में प्रसारित हो रहे एआई-जनित वीडियो से लोगों को सतर्क करने को भी कहा। उन्होंने कहा कि असम में मतदान के रिकॉर्ड टूटेंगे।

लोगों ने अस्थिरता का लंबा दौर देखा, आज सुरक्षित भविष्य

पीएम मोदी ने कहा कि हमने वह दौर देखा है जब असम हिंसा की आग में जल रहा था। लंबे समय तक अस्थिरता रही, लेकिन पिछले दशक में स्थितियां बदली हैं। आज भाजपा की डबल इंजन सरकार से राज्य में नया आत्मविश्वास देखने को मिल रहा है। कांग्रेस शासन के दौरान शांति समझौतों को नजरअंदाज किया गया और युवाओं को भटकने के लिए छोड़ दिया गया। उग्रवादी और छात्र संगठनों के साथ कोई भी समझौता सफल नहीं हुआ। आज सभी सुरक्षित हैं।

आज गुजरात में करेंगे 19,800 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण-शिलान्यास

पीएम मोदी 31 मार्च को गुजरात दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वे वाव-थराद से केंद्र और राज्य सरकार के कुल 19,806.9 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।इन परियोजनाओं में भारत सरकार के ऊर्जा, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग और रेलवे मंत्रालयों के 10,921 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। गुजरात सरकार के शहरी विकास, जल संसाधन, जलापूर्ति, सड़क एवं भवन, जीआईडीसी, स्वास्थ्य, पर्यटन और आदिजाति विकास विभागों के 8,886 करोड़ रुपए के कार्य भी शामिल हैं।

सुवेंदु ने भरा नामांकन,मंत्री प्रधान भी रहे मौजूद

बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां अपने चरम पर हैं। राज्य में विपक्ष के नेता और भाजपा के कद्दावर नेता सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को अपना नामांकन दाखिल कर दिया। इस मौके पर उनके साथ केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी मौजूद रहे। वे इस बार पश्चिम बंगाल की दो प्रमुख विधानसभा सीटों भवानीपुर और नंदीग्राम से चुनाव लड़ रहे हैं। यह ममता का गढ़ है।

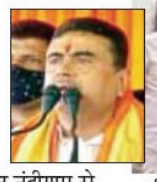

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने भरा नामांकन

चुनाव खत्म होते ही गैस-कैश देना बंद कर देगी

ममता का तीखा प्रहार

मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने बेलदा में एक बड़ी चुनावी रैली की। उन्होंने भाजपा की नीतियों पर जमकर निशाना साधा। ममता ने कहा भाजपा चुनाव खत्म होते ही गैस और कैश देना बंद कर देगी। उन्होंने इसे भाजपा की एक सोची-समझी चाल और चुनावी खेल करार दिया। ममता ने भाजपा पर समाज को बांटने का गंभीर आरोप भी लगाया।

पीएमके ने जारी की नामों की अंतिम सूची

चेन्नई। तमिलनाडु चुनाव के लिए पीएमके ने अपने उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी कर दी है। पेरंबूर से कवि एम. तिलगाबामा, धर्मपुरी से सौमिया अंबुमणि, वृद्दाचलम से तमिलरासी अधिमूलम और सलेम पश्चिम से एम कार्ति को उम्मीदवार बनाया गया है। इसी तरह पेन्नागरम से पाडी वी. सेल्वम, पोलुर से सीआर भास्करन, तिरुपुरूर से वकील के बालू, जयंकोंडम से के. वैथि और सलेम पश्चिम से एस. सदासिवम को टिकट दिया गया है।

भाजपा ने चुनाव आयोग से की शिकायत

ममता लोगों को धमकी दे रहीं, हाईजैक किया चुनाव

भाजपा का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को चुनाव आयोग पहुंचा। भचुनाव आयोग से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी के खिलाफ शिकायत की है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, सुकांत मजूमदार और पीयूष गोयल ने अन्य नेताओं के साथ दिल्ली में चुनाव आयोग से मुलाकात की और याचिका सौंपी।रिजिजू ने कहा कि ममता खुद घर तक जाकर धमकी दे रही हैं। उनकी पूरी

असम में राहुल बोले

भाजपा को 'छिपी हुई ताकत' बताया, 'एलडीएफ नेतृत्व भ्रष्ट'

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी केरल दौरे पर सबरीमाला मुद्दे पर चुप रहे। यह भाजपा और एलडीएफ के मिलकर काम करने का संकेत है। भाजपा यूडीएफ को नहीं चाहती। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा से लड़ने वालों पर हमला होता है। राहुल ने बताया कि उन पर 36 मामले हैं। एलडीएफ नेतृत्व भ्रष्ट है, लेकिन भाजपा का उन पर कोई दबाव नहीं है। वे छिपी ताकत हैं।

पीएम कंप्रोमाइज्ड हो गए

राहुल ने कहा कि पीएम मोदी एक कंप्रोमाइज्ड प्रधानमंत्री हैं। अमेरिका-भारत समझौते के डिटेल देखने पर साफ हो जाएगा कि कोई भी भारतीय प्रधानमंत्री इसे तब तक नहीं साइन कर सकता जब तक वह कंप्रोमाइज्ड न हो। आज भारत अपनी मर्जी से तेल नहीं खरीद सकता।

खबर संक्षेप

बेकाबू बस पुल से गिरी,10 यात्री घायल

शिवमोग्गा। कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया और कई लोगों की जान बच गई। एक प्राइवेट बस बेकाबू होकर पुल से नीचे जा गिरी। जब ये हादसा हुआ तब इस बस में 40 से अधिक लोग सवार थे। हालांकि, इस हादसे में किसी की जान नहीं गई है। हादसे में 10 से ज्यादा घायल बताए जा रहे हैं।

नासिक में फुटबॉल फॉर स्कूल्स को मिलेगी गति

ठाणेः केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने नासिक जिले में ह्यफुटबॉल फॉर स्कूल्सह्न कार्यक्रम के तहत फुटबॉल वितरण के लिए मंत्री छगन भुजबळ द्वारा किए गए अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। शिक्षा मंत्रालय और फीफा के सहयोग से चलाए जा रहे इस फुटबॉल फॉर स्कूल्स अभियान का मुख्य उद्देश्य देशभर के स्कूली विद्यार्थियों में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाना और जमीनी स्तर पर खेल संस्कृति को मजबूत करना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत देश की डेढ़ लाख से अधिक स्कूलों में लगभग 9.80 लाख फुटबॉल वितरित किए जा रहे हैं।

दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक को मंजूरी

दिवालियापन प्रक्रिया में तेजी से होगा समाधान दुरुपयोग रोकने के लिए किया दंड का प्रावधान

डिफॉल्ट साबित होने के बाद आवेदन 14 दिन में किया जाना अनिवार्य किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा ने सोमवार को दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक को मंजूरी दे दी है। इसका उद्देश्य दिवालियापन प्रक्रिया में गई कंपनियों के मामलों का तेजी से समाधान करना है। इस विधेयक में कंपनी के डिफॉल्ट साबित हो जाने के बाद दिवालियापन के आवेदनों को स्वीकार करने के लिए 14 दिनों की अनिवार्य समय सीमा निर्धारित की गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार ने दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक में 12 संशोधन प्रस्तावित किए हैं ताकि समाधान तंत्र को और मजबूत किया जा सके। आईबीसी समाधान में देरी का मुख्य कारण व्यापक मुकदमेबाजी है और आईबीसी विधेयक में प्रक्रिया के दुरुपयोग को रोकने दंड का प्रावधान है। आईबीसी ने बेहतर ऋण अनुशासन में योगदान दिया है और कंपनियों की क्रेडिट प्रोफाइल में सुधार किया है। दिवालियापन समाधान प्रक्रिया से बाहर आने के बाद कंपनियों का प्रदर्शन अच्छा रहा है।

वित्तमंत्री सीतारमण ने विधेयक पर कहा

यह बैंकिंग क्षेत्र की स्थिति सुधारने में अहम

सीतारमण द्वारा पेश किए गए विधेयक पर लोकसभा में 27 मार्च को चर्चा हुई थी। यह विधेयक, जिसे पहले एक चयन समिति को भेजा गया था, कंपनी या व्यक्ति की दिवालियापन संबंधी मामलों के निपटारे में होने वाली देरी को दूर करने के लिए लाया गया है। सीतारमण ने सदन में कहा कि दिवालियापन संहिता (आईबीसी) ने बैंकिंग क्षेत्र की स्थिति सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इस कानून का उद्देश्य कभी भी ऋण वसूली तंत्र के रूप में कार्य करना नहीं था।

कंपनियों को बेहतर क्रेडिट रेटिंग प्राप्त करने में भी मदद मिलेगी

वित्त मंत्री ने कहा कि दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, जो 2016 में लागू हुई, भारतीय बैंकिंग क्षेत्र के समग्र स्वास्थ्य में सुधार का एक प्रमुख कारक रही है। इस ढांचे ने कंपनियों को समय के साथ बेहतर क्रेडिट रेटिंग प्राप्त करने में भी मदद की है। उन्होंने कहा कि इस कानून का उद्देश्य संकटग्रस्त संपत्तियों का समाधान करना है, न कि केवल बकाया राशि की वसूली करना। उन्होंने स्पष्ट किया कि आईबीसी व्यवहार्य व्यवसायों को बचाने और उद्यम मूल्य को संरक्षित करते हुए वित्तीय संकट को दूर करने का एक ढांचा है। आईबीसी का उद्देश्य कभी भी ऋण वसूली का साधन बनना नहीं था।

राज्य सभा में बोले 'नेता' नड्डा

विपक्ष को न बहस में रुचि, न ही लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सम्मान

राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। नेता सदन जेपी नड्डा ने विपक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष को न तो बहस में रुचि है और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संसदीय प्रक्रियाओं के प्रति कोई सम्मान है। विपक्षी दलों का आचरण यह दर्शाता है कि उन्हें संविधान और संसद की कार्यवाही के नियमों का भी आदर नहीं है। वह बहस में भाग लेना नहीं चाहती।

सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार, विपक्ष बच रहा

नड्डा ने कहा कि यह विपक्ष का यह व्यवहार इस बात का संकेत है कि विपक्ष को लोकतांत्रिक और संसदीय प्रक्रियाओं में विश्वास नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष बहस से बचने का प्रयास कर रहा है। कुछ दल वोट बैंक की राजनीति से जुड़े हैं।

कांग्रेस ने नक्सलवाद को पाला-पोसाः पात्रा

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद डॉ. संबित पात्रा ने कांग्रेस पर नक्सलवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया और कहा कि संप्रग के शासनकाल में अगर कांग्रेस नेता महेंद्र कर्मा द्वारा शुरू सलवा जुडूम जैसे आंदोलन को रोका न गया होता तो नक्सलवाद न होता।

प्रियंका ने सरकार से किए सवाल

पश्चिम एशिया संकट पर राजनीति नहीं समाधान चाहिए, उस पर बहस हो

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्रीपर निशाना साधते हुए कहा कि युद्ध के मुद्दे पर राजनीति करना सही नहीं है। उन्होंने पूछा कि खाड़ी में फंसे भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए सरकार का क्या प्लान है। प्रियंका कहा लोगों की जान खतरे में है क्योंकि ऊपर से बम बरस रहे हैं।

बिहार राजनीति में ऐतिहासिक मोड़

सीएम नीतीश व नबीन ने दिया इस्तीफा, दोनों जाएंगे राज्यसभा

सभापति को सौंपा इस्तीफा

नीतीश कुमार

नितिन नबीन

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने एमएलसी पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने सीएम हाउस से ही सभापति अवधेश नारायण सिंह को रिजाइन सौंप दिया। साल 2006 से नीतीश लगातार विधान परिषद के सदस्य थे। अब माना जा रहा है कि जल्द ही बिहार में नई सरकार का गठन किया जाएगा। इस बीच जेडीयू नेताओं का मुख्यमंत्री आवास पर पहुंचना लगातार जारी रहा। रविवार शाम को भी कई जेडीयू नेता उनसे मिलने पहुंचे थे। माना जा रहा है कि वह 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ले सकते हैं। बिहार में 10 बार मुख्यमंत्री रहे नीतीश का संसदीय और विधायी सफर काफी व्यापक रहा है। अब 2026 में वे राज्यसभा के लिए निर्वाचित होकर एक बार फिर राष्ट्रीय संसद में पहुंचे हैं।

नबीन का सोमवार को इस्तीफा मंजूर

उधर, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने भी विधायक पद से इस्तीफे का ऐलान सोशल मीडिया पर कर दिया है। वह बांकीपुर से विधायक थे। नीतीश के साथ उन्हें भी राज्यसभा चुनाव में जीत मिली है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि बांकीपुर से विधायक नितिन नबीन आज अपने पद से इस्तीफा दे दिया। सरावगी ने बताया कि नितिन ने अपना इस्तीफा उन्हें रविवार को ही सौंप दिया था, जिसे वे आज बिहार विधानसभा अध्यक्ष को सौंपा? उन्होंने कहा कि रविवार होने के कारणऔपचारिक रूप से इस्तीफा नहीं दिया जा सका। फिलहाल, नितिन असम दौरे पर हैं, इसलिए उन्होंने प्रक्रिया में देरी न हो, इसके लिए पहले ही इस्तीफा प्रदेश अध्यक्ष को दे दिया था। तय समय के भीतर उनका इस्तीफा औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया गया।

यहां होगा भाजपा सीएम, जेडीयू से 2 डिप्टी सीएम

नीतीश के इस्तीफे के बाद अब नए मुख्यमंत्री का नाम तय करने को ले एनडीए में मंथन शुरू है। संभावना है कि खरमास के बाद 15 अप्रैल तक बिहार में नई सरकार अस्तित्व में आ जाएगी। एनडीए के घटक दल हम के संरक्षक व केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने बिहार के नए मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी का नाम लिया था।इस बात की पूरी संभावना है कि भाजपा के किसी नेता के मुख्यमंत्री पद की शपथ के साथ ही जदयू कोटे से दो उप मुख्यमंत्री का भी शपथ होगा। इनमें विजय चौधरी व नीतीश के पुत्र निशांत के नाम की खूब चर्चा है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. /अ-2/2024-25

ईश्तहार

एतद्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम मानपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती आयशा परवीन पति जियाउल हक अंसारी, जाति मुसलमान, निवासी ग्राम जूर, तहसील भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम मानपुर, प.ह.नं. 12, रा.नि.मं. सूरजपुर, तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 135/4 रकबा 0.088 हे. कृषि भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 02.04.026 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।उसके पश्चात्प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 25.03.026 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. /अ-2/2024-25

ईश्तहार

एतद्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम मानपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती आयशा परवीन पति जियाउल हक अंसारी, जाति मुसलमान, निवासी ग्राम जूर, तहसील भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम मानपुर, प.ह.नं. 12, रा.नि.मं. सूरजपुर, तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 665/2 रकबा 0.125 हे. कृषि भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 02.04.026 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 25.03.026 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

संघर्ष, सेवा और संवेदना के प्रतीकः बाऊजी श्री ओम प्रकाश जिंदल जी

संवाददाता

कुरुक्षेत्र। दुनिया में कुछ महान व्यक्तित्व ऐसे होते है जिनका प्रभाव केवल उनके जीवनकाल तक सीमित नहीं रहता बल्कि वे पीढ़ियों तक समाज को दिशा और प्रेरणा देते रहते है बाऊजी श्री ओम प्रकाश जिंदल जी ऐसे ही युगदृष्टा, कर्मयोगी और जननायक थे जिन्होंने अपने जीवन को समाज सेवा, न्याय और मानवीय संवेदनाओं के लिए समर्पित कर दिया बाऊजी का मानना था कि राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नही बल्कि जनकल्याण और सामाजिक न्याय का सशक्त उपकरण है जब हरियाणा राज्य अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर रहा था और देश स्वतंत्रता के चार दशक पार कर चुका था तब उन्होंने समाज की एक गंभीर सच्चाई को महसूस किया उन्होंने देखा कि संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ अंबेडकर की भावना के अनुरूप अभी भी दलितों, पिछड़ों, वंचितों और किसानों को उनका पूर्ण अधिकार और सम्मान नहीं मिल पाया है यही सोच उन्हें सक्रिय राजनीति में लेकर आई कुरुक्षेत्र की पावन भूमि को अपनी कर्मभूमि बनाते हुए बाऊजी ने वर्ष 1996 में जनता का विश्वास जीतकर संसद में प्रवेश किया उनका उद्देश्य स्पष्ट और दृढ़ था कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की आवाज को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाना और उनके अधिकारों की रक्षा करना बाऊजी केवल एक सफल उद्योगपति या कुशल राजनेता ही नहीं थे बल्कि वे एक संवेदनशील समाज सुधारक भी थे उन्होंने अपने जीवन का ध्येय दलितों, किसानों और वंचित वर्गों के उत्थान को बनाया संसद और हरियाणा विधानसभा में उनकी प्रभावशाली आवाज जहां नीतिगत बदलाव की मांग करती थी वहीं जमीनी स्तर पर उनके प्रयास समाज में वास्तविक परिवर्तन लाने में सहायक बने कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में उनका जनसंपर्क और जनसेवा का तरीका अद्वितीय था उन्होंने कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र के लगभग 967 गांवों का दौरा कर ग्रामीण समाज की आवश्यकताओं को गहराई से समझा उन्होंने यह महसूस किया कि गांवों में चौपाल केवल एक स्थान नही बल्कि सामाजिक संवाद, एकता और सामूहिक निर्णय का केंद्र होती है इस विचार को साकार करते हुए उन्होंने प्रत्येक गांव में चौपाल निर्माण का संकल्प लिया और उसे पूर्ण भी किया उनकी यह व्यापक गांव दर गांव जनसंपर्क अभियान महात्मा गांधी की दांडी यात्रा की तरह जनजागरण और सामाजिक समरसता का प्रतीक बन गई बाऊजी का व्यक्तित्व और उनके कार्य आज भी कुरुक्षेत्र के जनमानस में जीवंत हैं। यही कारण है कि वहां की जनता के दिलों में उनके प्रति गहरी श्रद्धा और अपनापन है उनके आदर्शों और मार्गदर्शन पर चलते हुए उनके सुपुत्र एवं वर्तमान सांसद नवीन जिंदल जी भी जनकल्याण के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं।

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया ने पूरे देश में अपनी एक अलग पहचान बनाई हैः रामदास आठवले

मुंबईः-आज रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया किसी परिचय की मोहताज नहीं है बल्कि रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया ने पूरे देश में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। यही नही देश के ३२ राज्यों में इसका संगठन है। इसके अलावा नागालैंड में हमारे दो विधायक हैं। उपरोक्त बातें केंद्रीय सामाजिक न्याय मंत्री रामदास आठवले ने चेंबूर में आयोजित अपने स्वागत समारोह में कही।बता दें कि हैट्रिक तीसरी बार निर्विरोध रुप से राज्यसभा में जाने और केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने पर रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के दक्षिण मध्य मुंबई जिला अध्यक्ष संजय डोलसे के नेतृत्व में फाईन आर्ट सोसाइटी में भव्य सत्कार समारोह आयोजित किया गया था। इस अवसर पर अनीस पठान,सुभाष सालवे,घनश्याम अग्रवाल,संतोष चेमटे,राकेश काले,दुकेश लोखंडे ने पुष्पहार देकर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी। इस मौके पर पूर्व मंत्री अविनाश महातेकर महाराष्ट्र महासचिव गौतम सोनावणे,सुरेश बारसिंगे मुंबई अध्यक्ष सिद्धार्थ कसारे, शीला गांगुर्दे, अनिल गांगुर्दे, बाला गरुड़,पप्पू कागदे,विवेक पवार,पूर्व नगर सेविका फूलाबाई सोनावणे,उषा रामलू ,आशा लांडगे,ताराबाई वाघमारे,सबिता इंगले, रवि गायकवाड़, युवराज रामराजे भाजपा जिला अध्यक्ष नीरज उभारे प्रभाग समिति अध्यक्ष आशा सुभाष मराठे,नगर सेवक महादेव शिवगन नगर सेविका समृद्धि काते समाज सेवी सुभाष मराठे, जयप्रकाश अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के आयोजक और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के दक्षिण मध्य मुंबई के जिला अध्यक्ष संजय डोलसे ने कहा कि पार्टी में नए कार्यकताओं को शामिल करने का युद्ध स्तर पर प्रयास शुरू है।

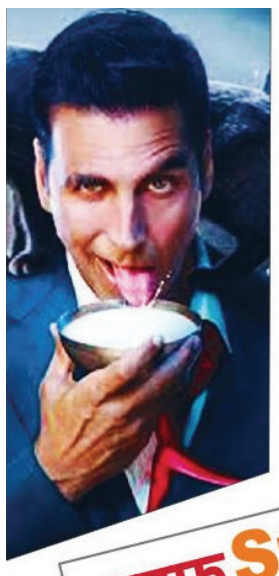

भूत बंगला की चौथी बार बदली रिलीज डेट!

मुंबई। हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला की कई बार रिलीज डेट बदली गई। पहले ये मूवी 3 अप्रैल को गुड फ्राइडे के मौके पर रिलीज होनी थी। लेकिन, बाद में इसे आगे बढ़ाते हुए 15 मई कर दिया गया। मगर फिर इसमें बदलाव करते हुए नई डेट की घोषणा की गई और बताया गया कि ये अब 10 अप्रैल को बड़े पर्दे पर उतारी जाएगी। हालांकि, अब चौथी बार इसकी तारीख बदली गई, जिसका कारण धुरंधर 2 बताया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब प्रियदर्शन की फिल्म भूत बंगला'17 अप्रैल को रिलीज होगी। पहले इसका ट्रेलर 30 मार्च को आउट होना था, लेकिन अब ये अप्रेल की शुरुआती हफ्ते में जारी किया जाएगा।

लाइफ Style

रश्मिका

रणबाली से लेकर कॉकटेल 2 में आएंगी नजर

शादी के बाद रश्मिका मंदाना कई बड़ी बजट की फिल्मों में नजर आने वाली हैं। इस लिस्ट में रणबाली से लेकर एनिमल पार्क और कॉकटेल 2 जैसी कई फिल्में शामिल हैं। इन फिल्मों में एक्शन, रोमांस और थ्रिलर देखने को मिलेगा।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

रश्मिका मंदाना इन सभी फिल्मों के जरिए अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली हैं। दर्शक इन फिल्मों की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 'मैसा' एक तेलुगु एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में रश्मिका एक गोंड जनजाति की महिला का किरदार निभा रही हैं। उनका किरदार बहुत बेबाक, जोशीला, साहसी और मजबूत इच्छाशक्ति वाला है। इस फिल्म का निर्देशन रवींद्र पुल्ले कर रहे हैं। यह फिल्म गोंड जनजाति की संस्कृति और परंपराओं पर आधारित एक भावनात्मक एक्शन थ्रिलर है। 'रणबाली' एक तेलुगु फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा मुख्य भूमिकाओं में हैं। विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की शादी के बाद यह उनकी पहली फिल्म साथ में होगी। 'रणबाली' की कहानी 18वीं सदी की है। यह रायलसीमा क्षेत्र के एक बहादुर स्वतंत्रता सेनानी की कहानी है, जो ब्रिटिश राज के खिलाफ लड़ता है। रश्मिका इस फिल्म में विजय की पत्नी जयम्मा का किरदार निभा रही हैं। 'पुष्पा 3: द रैम्पेज' सुपरहिट 'पुष्पा' सीरीज की तीसरी फिल्म है। रश्मिका मंदाना एक बार फिर श्रीवल्ली के रोल में वापसी करेंगी।

हॉलीवुड मसाला

पिंकी एंड द ब्रेन शो से हुए थे मशहूर

लॉस एंजिल्स। एनिमेटर और डायरेक्टर बैरी काल्डवेल ने एनिमेनियाक्स और पिंकी एंड द ब्रेन जैसे पॉपुलर शो बनाए थे। इस बेहतरीन कलाकार ने 68 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया है। बैरी काल्डवेल ने स्कूल ऑफ विजुअल आर्ट्स से ट्रेनिंग ली थी। 1980 में 'फैट अल्बर्ट एंड द कॉस्बी किड्स' जैसे शो से एनिमेशन की दुनिया में कदम रखा था। आगे चलकर उन्होंने वार्नर ब्रदर्स एनिमेशन, वॉल्ट डिज्नी टेलीविजन स्टूडियो और ड्रीमवर्क्स जैसे बड़े स्टूडियो के साथ काम किया।

यंगर यू म्यूजिक वीडियो में बचपन की यादें कीं साझा

लॉस एंजिल्स। सिंगर, एक्ट्रेस माइली साइरस टीनएज में शो 'हैना मोंटाना'शो से काफी मशहूर हुईं। इस शो की 20वीं एनिवर्सरी से पहले माइली ने अपना एक म्यूजिक वीडियो लॉन्च किया है। इसमें अपने पुराने दिनों को सिंगर ने याद किया है। माइली साइरस ने इंस्टाग्राम पर अपना म्यूजिक वीडियो 'यंगर यू' शेयर किया। साथ ही फैंस के लिए कैप्शन में एक स्पेशल मैसेज लिखा है। वह लिखती हैं, 'मैं आपके साथ 'हैना मोंटाना'शो के 20 साल पूरे होने का जश्न मनाना चाहती हूं। यह गाना आपके लिए है। उस जिंदगी के लिए शुक्रिया जिसमें हम साथ-साथ बड़े हुए हैं। मैं हमेशा आपसे प्यार करती रहूंगी।' आगे वह लिखती हैं, म्यूजिक वीडियो यंगर यू सामने आ गया है।

सबसे हॉट रोल के बारे में किया खुलासा

मुंबई। कृति सेनन, शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'कॉकटेल 2' 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। वहीं हाल ही में कृति ने अभी तक के अपने सबसे हॉट किरदार के बारे में बताया। अभिनेत्री का कहना है कि उनका यह रोल दर्शकों को हैरान कर देगा। हाल ही में कृति सेनन ने बताया कि कॉकटेल 2 में उनका नया लुक दर्शकों को हैरान कर देगा। कृति ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं कॉकटेल 2 पहले से काफी अलग दिख रही हूं। यह शायद अब तक का मेरा सबसे हॉट किरदार है।' कृति ने फिल्म कॉकटेल 2 के डायरेक्टर होमी अदजानिया की तारीफ करते हुए कहा, होमी की सौंदर्य समझ बहुत अच्छी है और वह स्वभाव से बहुत कूल हैं। उन्होंने मेरे अंदर एक ऐसा कूल पहलू निकाला है, जिसके बारे में मुझे खुद भी नहीं पता था।

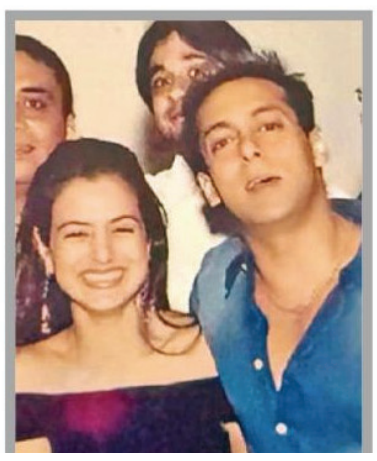

शेयर की जन्मदिन की यादगार तस्वीर

मुंबई। अमीषा पटेल सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। अक्सर वे अपनी थ्रोबैक फोटो साझा करती नजर आती हैं। रविवार को उन्होंने अपने जन्मदिन की एक फोटो शेयर की है। यह वर्षों पुरानी तस्वीर है। अपना वह बर्थडे एक्ट्रेस ने सलमान खान के साथ विदेश में सेलिब्रेट किया था। रविवार को अमीषा ने यह थ्रोबैक फोटो साझा की है। इसमें सलमान खान भी नजर आ रहे हैं। यह अमीषा के एक जन्मदिन की यादगार फोटो है, जो लॉस एंजिल्स में मनाया गया था। एक्टेस ने कैप्शन लिखा है, 'लॉस एंजिल्स, यूएसए में मेरे जन्मदिन के जश्न की एक पुरानी याद, जब हम अपने वर्ल्ड टूर पर थे। सलमान के साथ जन्मदिन का सबसे प्यारा केक काटना, जो हमेशा की तरह अपने सबसे प्यारे अंदाज में नजर आए। सलमान खान और अमीषा पटेल काफी अच्छे दोस्त हैं।

टीवी मसाला

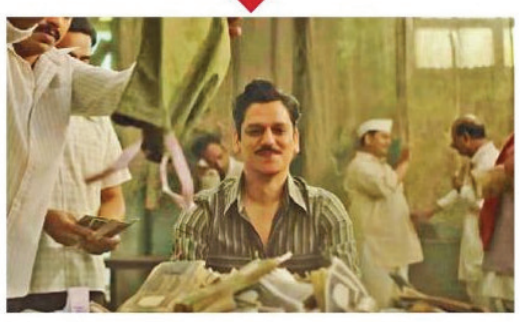

रिलीज हुआ मटका किंग का टीजर, 17 को होगा प्रीमियर

मुंबई। विजय वर्मा अपनी नई सीरीज 'मटका किंग' के साथ ओटीटी पर दस्तक देने वाले हैं। सीरीज का टीजर रिलीज हो गया है। ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने इसकी रिलीज डेट का भी ऐलान किया है। एक मिनट तीन सेकंड के टीजर में दिखाया गया है कि विजय वर्मा एक ऐसे शख्स हैं, जो सट्टेबाज हैं। जुआ से वह मोटा पैसा कमाते हैं और ऐश की जिंदगी जीते हैं। एक सीन में विजय वर्मा मटका लिए नजर आते हैं। टीजर में गुलशन ग्रोवर की भी झलक दिखी है। टीजर जारी करते हुए प्राइम वीडियो ने इंस्टाग्राम पर लिखा है **Pot** को उल्टा लिखने पर **Top** बनता है और एक राजा की जगह वहीं होती है। मटका किंग प्राइम वीडियो पर 17 अप्रैल को रिलीज होगी। इस पोस्ट में सीरीज से जुड़े सेलेब्स को टैग किया गया है। 'मटका किंग' में विजय वर्मा, कृतिका कामरा, साई ताम्हणकर, सिद्धार्थ जाधव और अन्य कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके निर्देशक नागराज मंजुले हैं। ये सीरीज 1960 के दशक के बदलते बॉम्बे पर आधारित है। ये कहानी एक कॉटन ट्रेडर के इर्द-गिर्द घूमती है। वह 'मटका' नाम का एक नया जुआ सिस्टम शुरू करता है। वह अमीरों के इस शौक को पूरे देश में फैला देता है।'मटका किंग' के को-प्रोड्यूसर सिद्धार्थ रॉय कपूर ने बताया, 'हमें इस सीरीज की ओर जिस चीज ने सबसे ज्यादा खींचा, वो था इसका बड़े स्तर पर बनाया गया अनोखा वर्ल्ड। इसमें एक ऐसे इंसान की कहानी है, जो तेजी से बदलते समाज में अपनी महत्वाकांक्षा, पहचान और सम्मान के लिए संघर्ष करता है।'

रजत दलाल ने गुपचुप रचाई शादी

नई दिल्ली। बिग बॉस और द 50' जैसे रियलिटी शो में रह चुके रजत दलाल शादी के बंधन में बंध गए हैं। शादी की तस्वीरें खुद रजत ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की हैं। रजत को सेलेब्स और फैंस भी शादी की शुभकामनाएं दे रहे हैं। रजत दलाल ने अपनी पत्नी के साथ कई खूबसूरत फोटोज को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इन शादी की तस्वीरों में दोनों बहुत खुश नजर आ रहे हैं। एक फोटो में रजत अपनी पत्नी का हाथ थामे हुए हैं, तो वहीं दूसरी तस्वीर में दोनों एक-दूसरे की आंखों में देखते हुए नजर आ रहे हैं। एक तस्वीरें उनकी जयमाला की रस्म की लग रही है। रजत ने अपनी इन शादी की तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, 'जीवन के एक नए पहलू की शुरुआत।'

अनुराग की फिल्म की लीक हुई तस्वीरें साथ नजर आए कार्तिक-श्रीलीला

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन और साउथ अभिनेत्री श्रीलीला एक रोमांटिक फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग बसु कर रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग इन दिनों कश्मीर में हो रही है। सोशल मीडिया पर इस फिल्म के सेट की कुछ तस्वीरें लीक हो रही है, जो फैंस का दिल जीत रही हैं। सोशल मीडिया पर अनुराग बसु की नई फिल्म की कुछ तस्वीरें इंटरनेट पर लीक हो गई हैं। इन तस्वीरों को कार्तिक और श्रीलीला को एक साथ देखकर उनके फैंस बहुत खुश और उत्साहित हो गए हैं। तस्वीरों में कार्तिक आर्यन, श्रीलीला और डायरेक्टर अनुराग बसु शूटिंग के दौरान बात करते दिख रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग इन दिनों कश्मीर की वादियों में हो रही है। एक तस्वीर में श्रीलीला नीले टॉप और फटी जींस के साथ लाल हिजाब पहने नजर आ रही हैं। वहीं कार्तिक आर्यन उनके पास खड़े नजर आ रहे हैं।

यह फिल्म पहले कई बार टल चुकी है, लेकिन अब लीक हुई तस्वीरों से लग रहा है कि शूटिंग फिर से पटरी पर आ गई है। फिल्म का बड़ा हिस्सा कश्मीर में शूट किया जा रहा है। तस्वीरों में कार्तिक घनी दाढ़ी और लंबे बालों के साथ दिख रहे हैं। यह पहली बार है जब कार्तिक आर्यन और श्रीलीला साथ में स्क्रीन शेयर करेंगे। फिल्म का आधिकारिक नाम और रिलीज डेट अभी तक गुप्त रखा गया है। कार्तिक आर्यन अनुराग बसु की फिल्म के अलावा करण जौहर की फिल्म 'नागजिला' में भी नजर आएंगे। इसके अलावा कार्तिक 'भूल भुलैया' फ्रेंचाइजी की चौथी फिल्म और 'कैप्टन इंडिया' में नजर आएंगे। वहीं श्रीलीला इन दिनों पवन कल्याण की फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' में नजर आ रही हैं।

दीया पर फिल्म फ्लॉप होने के कारण लगा था पनौती का ठप्पा, राजकुमार हिरानी की 'संजू' ने बदली किस्मत

नई दिल्ली। *दीया मिर्जा की फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' आज भी लोगों की पसंदीदा मूवी है। लेकिन, वह बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थी और इस कारण एक्ट्रेस को काम नहीं मिलता था। उन्होंने एक लेटेस्ट इंटरव्यू में बताया कि कैसे उन्हें 'पनौती' कह दिया गया था और उसके बाद उन्हें काम नही मिल रहा था। लेकिन, जब उन्होंने राजकुमार हिरानी की 'संजू' में काम किया तो उनके कॅरियर में एक अहम मोड़ आया था। दीया मिर्जा ने बातचीत में खुलासा किया कि उन्हें पनौती का टैग दिया गया था। लेकिन, संजू ने उनकी लाइफ बदल दी थी। एक्ट्रेस ने बताया, 'मुझे ऐसा लगता है कि मैंने अपने बारे में लोगों के मन बनी सोच को बदल दिया और अपनी एक अलग पहचान बनाई। जब मैंने काम करना शुरू किया था तब मेरी तुलना ऐश्वर्या राय से की जाती थी। मुझे याद है कि मुझे एक अच्छा मौका मिलने वाला था लेकिन उसमें बाधा पैदा हो गई थी। मेरी एक तथाकथित बड़ी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थी और इसके कारण काम नहीं मिला। क्योंकि जो लोग मुझे काम देने के लिए लाइन लगाए रहते थे। वो लोग ही आपको अचानक से पनौती और बदकिस्मत समझने लगे थे। तो मैं इन सब चीजों से गुजरी हूं।' जब मैंने काम करना शुरू किया था तब मेरी तुलना ऐश्वर्या राय से की जाती थी। मुझे याद है कि मुझे एक अच्छा मौका मिलने वाला था लेकिन उसमें बाधा पैदा हो गई थी। मेरी एक तथाकथित बड़ी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थी और इसके कारण काम नहीं मिला। जो लोग मुझे काम देने के लिए लाइन लगाए रहते थे। वो लोग ही आपको अचानक से पनौती और बदकिस्मत समझने लगे थे। तो मैं इन सब चीजों से गुजरी हूंएक्ट्रेस ने आगे बताया, 'मेरी हमेशा से ही इच्छा थी कि कुछ और करूं। और ऐसा संजू के बाद ही हुआ। मुझे याद है कि मैंने राजकुमार हिरानी को कॉल किया था, जब वह फिल्म की कास्टिंग कर रहे थे। मैंने उनसे साथ पहले भी लगे रहो मुन्ना भाई में काम किया था। तो मैंने उनसे कहा कि प्लीज, मुझे काम दीजिए। मेरे पास कोई काम नहीं है और मैं नए काम की तलाश में हूं। कोई मुझे काम नहीं दे रहा है। आप ये मूवी कर रहे हैं और मैं वादा करती हूं कि मैं स्क्रीन टेस्ट दूंगी। जहां भी आप चाहें लेकिन आप मुझे काम दीजिए। और उन्होंने कहा कि मुझे रणबीर और टीम के बाकी लोगों से बात करने दो, फिर बताता हूं।

'नजर से दूर, दिल से दूर' कहावत को किया गलत साबित

गुमनामी के अंधेरे से निकलकर इन सितारों ने फिर से लिखी अपनी तकदीर

नई दिल्ली। *बॉलीवुड में वापसी करना आसान है, लेकिन अपनी खोई हुई 'किंगडम' वापस पाना नामुमकिन लगता है। हालांकि शाहरुख खान, सनी देओल और बॉबी देओल जैसे स्टार्स ने हाल के सालों में नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया है। जब ये स्टार्स सालों के 'वनवास' के बाद स्क्रीन पर लौटे तो उन्होंने बॉक्स ऑफिस के सारे पिछले रिकॉर्ड तोड़ दिए। यह रिपोर्ट उन सुपरस्टार्स की कहानी बताती है, जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत, सब्र और प्रोजेक्ट्स के सही चुनाव से यह साबित कर दिया कि एक सच्चा स्टार कभी फीका नहीं पड़ता, वे बस सही समय का इंतजार करते हैं। बॉलीवुड की ग्लैमरस दुनिया में 'नजर से दूर, दिल से दूर' का उसूल चलता है। जो दिखता है, वही बिकता है। लेकिन, पिछले कुछ सालों में हिंदी सिनेमा के कुछ हीरो ने वापसी की है और इस कहावत को गलत साबित किया है।*

शाहरुख : 2018 की फिल्म 'जीरो' की नाकामी के बाद, शाहरुख खान ने ब्रेक लिया जिससे उनके फैन्स परेशान हो गए. 'किंग खान' चार साल तक बड़े पर्दे से गायब रहे, जिससे लोगों ने कहा कि खान्स का जमाना खत्म हो गया है। 2023 में शाहरुख 'पठान' के साथ लौटे. इसके बाद, 'जवान' और 'डंकी' के साथ, उन्होंने एक ही साल में बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया और दुनिया को साबित कर दिया कि 'बादशाह' सिर्फ एक है। इसे बॉलीवुड हिस्ट्री का सबसे बड़ा और सबसे सफल कमबैक माना जाता है।

सनी : सनी देओल 90 के दशक के सबसे बड़े एक्शन स्टार थे, लेकिन 2000 के बाद उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर वैसा करिश्मा नहीं कर पाईं. उन्हें लगभग दो दशकों तक एक बड़ी सोलो हिट के लिए संघर्ष करना पड़ा। जब 22 साल बाद 2003 में 'गदर 2' रिलीज हुई, तो सनी देओल ने वही 90 के दशक का वाइब फिर से बनाया। तारा सिंह के उनके किरदार ने उन्हें एक मास सुपरस्टार के रूप में फिर से स्थापित कर दिया। 65 साल की उम्र में इतनी शोहरत हासिल करना किसी चमत्कार से कम नहीं था।

फरदीन : फरदीन खान आखिरी बार 2010 में 'दूल्हा मिल गया' में दिखे थे। उसके बाद वह पूरी तरह से लाइमलाइट से गायब हो गए। उनका वजन बढ़ना और पर्सनल प्रॉब्लम चर्चा का विषय थीं। 2024 में फरदीन ने 14 साल बाद संजय लीला भंसाली की सीरीज 'हीरामंडी' से कमबैक किया। इसके तुरंत बाद, वह 'खेल खेल में' में दिखे। उनके लुक्स और एक्टिंग की तारीफ हुई और अब वह फिर से बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बन रहे हैं।

संजय : संजय दत्त का कॅरियर पिछले कुछ सालों में उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। उनकी कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं कर पाईं और हेल्थ प्रॉब्लम्स ने भी उन्हें कुछ समय के लिए स्क्रीन से दूर रखा। 2022 की फिल्म 'केजीएफ: चैप्टर 2' में अधीरा के रोल ने संजय दत्त को खलनायक और अग्निपथ के दौरान मिली ऊंचाइयों पर वापस ला दिया। सालों बाद संजय दत्त ने विलेन के तौर पर ऐसा दबदबा बनाया कि पूरा देश उनका फैन बन गया। उनकी फिल्म 'लियो' (2023), जिसमें थलापति विजय उनके को-स्टार थे, ने भी बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी, जिससे साबित हुआ कि 'संजू बाबा' का चार्म अभी भी कायम है।

बॉबी : बॉबी देओल का करियर एक समय खत्म माना जा रहा था। उन्होंने खुद कई इंटरव्यू में माना कि वह सालों तक काम के लिए तरसते रहे और डिप्रेशन में चले गए। उन्होंने 'आश्रम' से अपनी **OTT** जर्नी शुरू की, लेकिन उनका असली राज 2023 की फिल्म 'एनिमल' से आया। सालों के इंतजार के बाद, अबरार के रोल में उनके छोटे से रोल ने उन्हें रातोंरात नेशनल क्रश और लॉर्ड बॉबी बना दिया. आज उनके पास विलेन और लीड रोल, दोनों तरह के कई रोल हैं।

सुष्मिता : मिस यूनिवर्स और बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने बीमारी और पर्सनल वजहों से एक्टिंग से 10 साल का ब्रेक लिया था। 2020 में उन्होंने वेब सीरीज 'आर्या' के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कदम रखा। उनके कमबैक ने न सिर्फ उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड दिलाया, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि एक मजबूत एक्ट्रेस के लिए उम्र और जेंडर कोई मायने नहीं रखते। इस सेकंड इनिंग्स में सुष्मिता ने पहले से भी ज्यादा इज्जत और स्टारडम हासिल किया।

ढाई किलो गांजा जब्त महिला तस्कर गिरफ्तार

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राजधानी रायपुर में नशे के खिलाफचल रही मुहिम के बीच कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला तस्कर को रंगे हाथ पकड़ लिया। मौके से करीब ढाई किलो गांजा बरामद हुआ है, जिससे इलाके में अवैध नशे के नेटवर्क की सक्रियता उजागर हुई है।रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के डीसीपी सेंट्रल जोन के निर्देशन में कोतवाली थाना पुलिस द्वारा सूखे नशे के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में 25 मार्च 2026 को मिली पुख्ता मुखबिर सूचना पर पुलिस टीम ने मरवाही श्मशान घाट क्षेत्र में दबिश दी। यहां एक महिला द्वारा गांजा की अवैध बिक्री किए जाने की जानकारी मिली थी।पुलिस ने मौके पर घेराबंदी कर संदेही महिला को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम मंशा पाण्डेय (23 वर्ष), निवासी दुलारी नगर, मरवाही श्मशान घाट के पास, थाना सिटी कोतवाली, जिला रायपुर बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से अलग-अलग पैकेटों में रखा कुल 2 किलो 408 ग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 25 हजार रुपये बताई जा रही है।बरामद गांजा को विधिवत जप्त कर लिया गया है और आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पूरी जब्ती कार्यवाही स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में की गई, जिससे कार्रवाई की पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।प्रारंभिक पूछताछ में यह भी सामने आया है कि आरोपी गांजा को छोटे-छोटे पैकेट में बांटकर फुटकर स्तर पर बेच रही थी। इससे यह संकेत मिलता है कि क्षेत्र में नशे का जाल गहराई तक फैला हुआ है। पुलिस अब सप्लाई चैन और इससे जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है।

जिला अस्पताल के औचक निरीक्षण में पहुंची मंत्री लक्ष्मी, अव्यवस्था देख भड़की

0 प्रबंधन को जमकर लगाई फटकार 0 बोलीं-व्यवस्था करो दुरुस्त, मिली लापरवाही तो बक्शे नहीं जाएंगे जिम्मेदार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां जिला अस्पताल के औचक निरीक्षण के लिए सोमवार को महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े पहुंची थी। जहां की अव्यवस्था देख भड़की मंत्री लक्ष्मी ने सख्त लहजे में व्यवस्था दुरुस्त करने को कहा है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि अगर व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो किसी भी कीमत पर जिम्मेदार बक्शे नहीं जाएंगे। सरल व सौम्य स्वभाव की मंत्री लक्ष्मी के अचानक कड़े तेवर को देखकर प्रबंधन सकते में आ गया। बताया गया है कि जिला अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ उन्हें लगातार शिकायते मिल रही थी। जिसको मंत्री लक्ष्मी ने गंभीरता से लेते हुए सोमवार की दोपहर अचानक जिला अस्पताल पहुंची और उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डो का निरीक्षण किया। इस दौरान श्रीमती राजवाड़े ने मरीजो से चर्चा कर व्यवस्थाओं व मिल रही सुविधाओं के सम्बंध में जानकारी ली। इस दौरान मरीजों से अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा दुर्व्यवहार किये जाने की बात सामने आई। जिसपर भड़की मंत्री ने अस्पताल प्रबंधन के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए जमकर फटकार लगाई और व्यवस्था ठीक करने की हिदायत देते हुए भविष्य में शिकायत पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। बताया गया है कि पिछले दिनों एक महिला को प्रसव पीड़ा होने पर परिजनों द्वारा जिला चिकित्सालय लाया गया था। जहां डॉक्टर के मुताबिक महिला के पेट में ही बच्चे की मृत्यु हो गई थी। जिसके बाद महिला को ब्लड की आवश्यकता थी। जिस पर अस्पताल के कर्मचारियों ने प्रबंधन के पास ब्लड की उपलब्धता नहीं होने की बात कहते हुए महिला के परिजनों को ब्लड की व्यवस्था करने को कहा गया। तमाम प्रयासों के बाद भी परिजन ब्लड की व्यवस्था नहीं कर सके और इसकी जानकारी जब ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को दी गई।महिला के परिजनों का आरोप था कि इस दौरान अस्पताल के कुछ कर्मचारियों द्वारा उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। जिसकी शिकायत व जानकारी मंत्री लक्ष्मी को दी गई थी। जिसे उन्होंने गंभीरता से लिया और निरीक्षण के लिए जिला अस्पताल पहुंची थी। व्यवस्था में लापरवाही पर तमतमाई मंत्री अस्पताल प्रबंधन को जमकर फटकार लगाते हुए व्यवस्था सुधारने एवं लापरवाह कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दे दिए। मंत्री श्रीमती राजवाड़े के तीखे तेवर देख अस्पताल प्रबंधन सकते में आ गया और जांच व दोषियों पर कार्रवाई का भरोषा दिलाया है। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष मुरलीमनोहर सोनी, संदीप अग्रवाल, भाजयुमो जिलाध्यक्ष देव गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे।

स्वयंसेवकों की जागरूकता रैली से कुबेरपुर में गूंजा बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ का संकल्प

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर। बेटियों के उज्ज्वल भविष्य और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए जिला प्रशासन सूरजपुर की प्रतिबद्धता एक बार फिर जमीनी स्तर पर दिखी।

कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देश के अनुपालन में एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में 30 मार्च को ब्लॉक ओड़गी की ग्राम पंचायत कुबेरपुर में बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के अंतर्गत एक प्रभावशाली जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यूनिसेफ एवं एग्रीकोन फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम ने ग्रामीण समाज में बाल विवाह उन्मूलन का एक सशक्त और स्थायी संदेश छोड़ा। रैली की विशेष बात यह रही कि मीडिल स्कूल के नन्हे बच्चों ने बाल विवाह विरोधी विषयों पर भावपूर्ण चित्र बनाकर इस अभियान को एक नई ऊर्जा और जीवंतता प्रदान की। बच्चों की इस सृजनात्मक भागीदारी ने उपस्थित ग्रामीणों के मन पर गहरी छाप छोड़ी। ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं युवोदय स्वयंसेवकों ने मिलकर बाल विवाह मुक्त ग्राम बनाने की दृढ़ शपथ ली। रैली के दौरान स्पष्ट संदेश दिया गया कि कानूनन लड़की की न्यूनतम विवाह आयु 18 वर्ष तथा लड़के की 21 वर्ष निर्धारित है और इससे कम आयु में विवाह करना एक दंडनीय अपराध है जो बाल विवाह की श्रेणी में आता है। युवोदय स्वयंसेवकों ने गाँव की गलियों में भ्रमण कर घर-घर तक यह जागरूकता पहुंचाई। रैली के दौरान प्रतिभागियों के उत्साही नारों से पूरा कुबेरपुर गुंजायमान हो उठा। नोनी हा पढ़ही, तभे आगू बढ़ही, आओ मिलकर कदम बढ़ाएं, बाल विवाह पर रोक लगाएं, हम सबने ठाना है, बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ बनाना है और बंद हो, बंद हो बाल विवाह बंद हो जैसे नारों ने ग्रामीणों के मन में इस सामाजिक बुराई के विरुद्ध जागृति की नई लौ प्रज्वलित की। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित जनों को बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ की सामूहिक शपथ दिलाने के साथ हुआ।

पीएम आशा योजना के तहत 22 कृषकों ने कराया पंजीयन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मंगलवार को उप संचालक कृषि सुश्री संपदा पैकरा के मार्गदर्शन में जिले के आकांक्षी ब्लॉक प्रतापपुर में किसानों के हित में महत्वपूर्ण पहल की गई। ग्राम पंचायत सोनगरा एवं सकलपुर के 22 कृषकों ने दलहन एवं तिलहन की खरीदी के लिए चयनित समिति चंदौरा में उपस्थित होकर प्रधानमंत्री आशा योजना के अंतर्गत अपना पंजीयन कराया। पंजीयन पश्चात अब संबंधित कृषक अपने दलहन एवं तिलहन उत्पादों को शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर विक्रय कर सकेंगे, जिससे उन्हें बेहतर आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। यह पहल किसानों की आय में वृद्धि और उन्हें उचित मूल्य दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पंजीयन प्रक्रिया पूर्ण होने पर किसानों ने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना से उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य मिलेगा और आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

आज से 15 तक जिले में आयोजित होगा राजस्व पखवाड़ा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप जिले में आज से राजस्व पखवाड़ा का आयोजन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के निर्देशानुसार यह कार्यक्रम तीन चरणों में संपन्न होगा। पहला चरण 1 से 15 अप्रैल, दूसरा चरण 4 से 18 मई और तीसरा चरण 1 से 15 जून तक आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देश पर जिले की समस्त तहसीलों के अंतर्गत पटवारी हल्कों एवं ग्राम पंचायत मुख्यालयों का चयन राजस्व शिविर आयोजन हेतु कर लिया गया है, जिसमें तहसील मुख्यालय भी शामिल हैं। कलेक्टर ने सभी एसडीएम तहसीलदार और नायब तहसीलदार को शिविर की तैयारियाँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इन शिविरों में राजस्व से जुड़े प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। जिसमें आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र, आधार एवं मोबाइल नंबर एकत्र करना, अभिलेख शुद्धता एवं त्रुटि सुधार, डिजिटल हस्ताक्षर, स्वामित्व योजना से संबंधित कार्य, जनहानि-फसल क्षति-पशुहानि से संबंधित आर.बी.सी. 6-4 के आवेदनों का निराकरण तथा कोटवारी भूमि के विक्रय की जानकारी सहित समस्त राजस्व संबंधी प्रकरण सम्मिलित हैं। आय, जाति एवं निवास संबंधी आवेदनों की ऑनलाइन प्रविष्टि लोक सेवा केन्द्र के माध्यम से शिविर स्थल पर ही की जाएगी।

आज 1 अप्रैल को जिले के ओड़गी, बिहारपुर, भटगांव, लटोरी, प्रेमनगर, रामानुजनगर, सूरजपुर, भैयाथान एवं प्रतापपुर में छतरंग, कुप्पी व कुदरगढ़; बिहारपुर में नावाटोला, बांक, खोड़ व सलहा; भटगाँव में धरतीपारा व खोंपा; लटोरी में कुंदा व शिवनंदनपुर, प्रेमनगर में खजूरी, सूरजपुर में बसदेई, रामानुजनगर में तेजपुर, भैयाथान, प्रतापपुर में गोविंदपुर व डांड़करवाँ, 2 अप्रैल को ओड़गी, बिहारपुर, भटगांव, लटोरी, प्रेमनगर में कनकपुर; सूरजपुर में नवगई; रामानुजनगर में तेलसरा; भैयाथान में तरका; प्रतापुर में घुमाडांड़, धोंधा, टेकी, बेदमी व लांजित; भटगाँव में कपसरा; लटोरी में संबलपुर; बिहारपुर में नवगई व विशालपुर। 6 अप्रैल को भटगाँव में बरौधी; लटोरी में सोनवाही; प्रेमनगर में गौरीपुर; सूरजपुर में झांसी; रामानुजनगर में पोड़ी; भैयाथान में दर्रीपारा; प्रतापुर में केवरा, गोंदा, घुईडीह, आनंदपुर, जरही, सोनगरा, खड़गवांकला व धरसंडी; बिहारपुर में रसौंकी; भटगाँव में केवटाली; लटोरी में जयनगर, सूरजपुर में केतका, रामानुजनगर मे बद्रिकाश्रम, भैयाथान में परसिया एवं प्रतापपुर मे चंदोरी,7 को ओडगी मे लांजीत, भटगाँव में बैजनाथनगर; लटोरी में करमपुर; प्रेमनगर में जयपुर; सूरजपुर में सोहागपुर; रामानुजनगर में अगस्तपुर; भैयाथान में रजबहर; प्रतापपुर में दीना, इंदरपुर व काला माजन; बिहारपुर में कछिया। 8 को भैयाथान जगन्नाथपुर, धरमपुर, बगड़ा, मांडर व मयूरधक्की; बिहारपुर में करौंटी; भटगाँव में बतरा; लटोरी में सिलफिली; प्रेमनगर में कोटेया; सूरजपुर में शर्मा; रामानुजनगर में पटना, गोटगवाँ, करसी व सोनपुर। 9 प्रतापपुर में टोमो व चेंद्रा; सूरजपुर में तेंदूपारा, रामानुजनगर में साल्ही।10 को बिहारपुर में महुली; भटगाँव में जगदीशपुर; लटोरी में अजबनगर; प्रेमनगर में महोरा; रामानुजनगर में राजापुर; प्रतापपुर में सौतार, सेमराकला, अमनडोन, रैसरा, डांड़अमोरनी, मानी व मायापुर-1; भटगाँव में चंद्रमेड़ा व राजकिशोरनगर; लटोरी में सुंदरगंज तथा 13 एवं 15 अप्रैल को ओड़गी टोमो,चेंद्रा, बिहारपुर महुली, भटगांव मे जगदीशपुर, लटोरी मे अजबनगर, प्रेमनगर मे महोरा, सूरजपुर मे तेंदुपारा रामानुजनगर मे साल्ही पीवरी, प्रतापपुर व ओड़गी तहसीलों के शेष ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

सेवानिवृत्ति पर कार्यपालन अभियंता श्री मिश्रा को दी गई भावभीनी विदाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां जल संसाधन विभाग में पदस्थ कार्यपालन अभियंता अरुण कुमार मिश्रा 30 मार्च को सेवानिवृत्त हुए। विभागीय कार्यालय में उनके सम्मान में एक भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्री मिश्रा के साथ बिताए कार्यकाल को याद किया।

इस अवसर पर श्री मिश्रा ने भी भावविभोर होते हुए विभाग के समस्त स्टाफ को उनके अमूल्य सहयोग एवं स्नेह के लिए हृदय से धन्यवाद दिया। सेवानिवृत्ति के अवसर पर कलेक्टोरेट में कलेक्टर एस. जयवर्धन ने भी स्मृति चिन्ह भेंट कर उनकी दीर्घ एवं निष्ठापूर्ण सेवाओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और उन्हें ससम्मान विदाई प्रदान दी। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले व संयुक्त कलेक्टर पुष्पेंद्र शर्मा सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

महान-03 खदान को लेकर ग्रामीणों का विरोध, जिला प्रशासन एसईसीएल की बैठक रही बेनतीजा

ग्रामीण बोले-प्रभावित गांवों में कराकर रहेंगे ग्रामसभा,नहीं माने मांग तो जारी रहेगा आंदोलन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के प्रतापपुर इलाके में एसईसीएल की महान-03 खदान और भूमि अधिग्रहण को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। मंगलवार को खदान से प्रभावित ग्रामीणों और कांग्रेस नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल यहां जिला मुख्यालय पहुंचा। जहां उन्होंने जिला प्रशासन और एसईसीएल के अधिकारियों के साथ बैठक कर अपनी समस्याओं को रखा। यह बैठक उस बड़े विरोध प्रदर्शन के बाद हुई, जब कुछ दिन पहले कांग्रेस और प्रभावित ग्रामीणों ने खदान क्षेत्र में कोयला परिवहन को करीब 10 घंटे तक बंद कर दिया था। दरअसल विवाद की शुरुआत उस कार्रवाई से हुई, जब प्रतापपुर क्षेत्र के जगन्नाथपुर गांव में पूर्व जिला पंचायत सदस्य मंजू मिंज के पैतृक मकान पर रात के वक्त बुलडोजर चला दिया गया था।ग्रामीणों का कहना है कि बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस के मकान को तोड़ दिया गया, जिससे इलाके में भारी आक्रोश फैल गया। इस घटना के विरोध में ग्रामीणों और कांग्रेस नेताओं ने एसडीएम कार्यालय का घेराव करने के बाद खदान परिसर में घंटों प्रदर्शन किया था। ग्रामीणों ने प्रशासन व एसईसीएल की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की थी। इसी मुद्दे को लेकर मंगलवार को क्षेत्र के 10 गांवों के ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल पूर्व अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष भानुप्रताप सिंह के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचा और कलेक्टर तथा एसईसीएल के जीएम के साथ विस्तृत चर्चा की। बैठक के बाद प्रतिनिधिमंडल ने इसे बेनतीजा बताते हुए कहा कि खदान क्षेत्र में आने वाली जमीन का पूरा ब्यौरा और दस्तावेज सार्वजनिक किए बिना एसईसीएल को काम नहीं करने दिया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि वे विकास के विरोधी नहीं हैं और देश को कोयले की जरूरत है तो कोयला मिलेगा, लेकिन पूरी प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रभावित पंचायतों में अब तक ग्राम सभा नहीं कराई गई, जबकि यह पांचवीं अनुसूची क्षेत्र है और यहां पेसा कानून लागू होता है। प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि वे प्रभावित गांवों में ग्राम सभा कराकर ही रहेंगे और अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन आगे भी जारी रहेगा, वहीं जिला प्रशासन का कहना है कि ग्रामीणों की सभी आपत्तियों और समस्याओं से एसईसीएल प्रबंधन को अवगत करा दिया गया है और उनसे संबंधित दस्तावेज साझा करने के लिए भी कहा गया है।प्रशासन के मुताबिक बैठक शांतिपूर्ण माहौल में हुई और ग्रामीण संतुष्ट नजर आए, फिलहाल किसी तरह के विवाद की स्थिति नहीं है। हालांकि जमीन अधिग्रहण और बुलडोजर कार्रवाई को लेकर इलाके में माहौल अब भी गर्म है और ग्रामीण कार्रवाई की मांग करते हुए न्याय की लड़ाई जारी रखने की बात कह रहे हैं।

छात्र संघ चुनाव की मांग हुई तेज, एनएसयूआई ने जिले के महाविद्यालयों में सौंपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छात्र संघ चुनाव की मांग प्रदेश में तेजी से उठ रही है। एनएसयूआई ने जिले के समस्त महाविद्यालयों में राज्यपाल के नाम प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर छात्र संघ चुनाव कराने की मांग की गई।

एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू ने बताया कि विगत कई वर्षों से छात्र संघ चुनाव नहीं कराया जा रहा है जिससे छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों का लगातार हनन हो रहा है इससे छात्रों का आवाज दब रहा है। छात्र संघ चुनाव केवल एक प्रक्रिया नहीं है बल्कि छात्रों के अधिकार, सम्मान एवं भागीदारी की बुनियाद है इसके माध्यम से छात्रों को नेतृत्व, जिम्मेदारी एवं लोकतांत्रिक मूल्यों का अनुभव प्राप्त होता है वर्तमान में चुनाव नहीं होने से छात्रों की समस्याएं प्रभावी रूप से प्रशासन तक नहीं पहुंच पा रही है जिसके लिए छात्र संघ चुनाव कराना अत्यंत आवश्यक है आज पूरे प्रदेश के समस्त महाविद्यालयों में ज्ञापन सौंपकर छात्र संघ चुनाव कराने की मांग की गई। मांग पूरी न होने पर उग्र आन्दोलन की भी चेतावनी दी गई है। इस दौरान यहां रेवती रमण मिश्र महाविद्यालय में एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू, अफरोज अंसारी, प्रदेश महासचिव कौनेन अंसारी, शाहरुख खान, राजेश साहू, शिवम साहू, शशिकला मरावी, आशीष साहू, अदनान सिद्दीकी, अभिषेक कुशवाहा, राधेश्याम यादव, आरती, सोनिया, दुर्गावती, विश्रामपुर मे जिला महासचिव आकाश सिंह, हर्ष दानोदिया, क्षितिज चंदेल, अमन नायक, आदित्य तोमर, आदित्य राजवाड़े, प्रत्यूष सिंह, पुनीत, अभिषेक सोनी, महाविद्यालय प्रतापपुर में ब्लॉक अध्यक्ष विनय कुमार चौधरी,शहरी ब्लॉक अध्यक्ष रिजवान, कमलेश, मोबस्सम, दीपक, गोलू रजवाड़े, राहुल सिंह, बिट्टू राम, रितेश लकड़ा, सूरज पैकरा, अभय सिंह, अंजली आयम, प्रकाश पैकरा, रामानुजनगर मे जिला उपाध्यक्ष संतोष साहू, अमित पैकरा, रितेश देवांगन, मयंक साहू, रोशनी कुर्रे, हिमांशु, अंकित, प्रेमनगर में ब्लॉक अध्यक्ष धर्मेन्द्र साहू, रोहित कन्नौजिया, रमेश साहू, अभिषेक देवांगन, राहुल, अमित प्रजापति,धर्मेन्द्र प्रजापति, भैयाथान में ब्लॉक अध्यक्ष अतुल पाटिल, उत्कृष्ट गुप्ता, प्रांजल टांडे, आयुष, हिमेश, शिवांश,जरही में भटगांव ब्लॉक अध्यक्ष मो. सरफराज, नगर अध्यक्ष मणिशंकर पाण्डेय, रमजान, शाहनवाज, सन्नी सिंह, ओड़गी में ब्लॉक अध्यक्ष कमलेश यादव, अविनाश पांडेय, चंद्रशेन सिंह, शिवम् यादव, बालकुमार यादव, सृष्टि, संगीत, गीता, सीताकुंवर, पूर्णिमा सिंह, रविकुमार, किश्मत, पुष्पा, प्रियंका, शांतनु, दिनेश, रंगलाल, गायत्री, बिहारपुर में जिला सचिव मनोज सिंह, अरुण कुमार प्रजापति, संदीप रंजक, रामकेवल बैश, रंजीत सिंह, मनरुप सिंह, सिलफिली में ब्लॉक अध्यक्ष यश दास,जिला महासचिव पीयूष कुशवाहा के द्वारा ज्ञापन सौंपा गया।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

पुरूष वर्ग में हिमाचल प्रदेश एवं महिला वर्ग में असम राज्य रहा ओवरऑल चैम्पियन

कुश्ती स्पर्धा का समापन, खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर पदक किए अपने नाम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ में आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 अंतर्गत मंगलवार को सरगुजा जिला मुख्यालय अंबिकापुर के गांधी स्टेडियम में पिछले चार दिनों से जारी कुश्ती स्पर्धा का शानदार समापन हुआ। पूरे आयोजन के दौरान विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। खिलाड़ियों ने अपनी कुशल तकनीक एवं रणनीति का प्रदर्शन कर पदक अपने नाम किए। समापन अवसर पर टीम चैंपियनशिप परिणाम घोषित किए। पुरूष वर्ग में हिमाचल प्रदेश राज्य

ओवर ऑल चैंपियन रहा, वहीं जम्मू कश्मीर फर्स्ट रनरअप, महाराष्ट्र एवं झारखण्ड सेकंड रनरअप बना। महिला वर्ग में असम राज्य ओवर ऑल चैंपियन रहा, वहीं झारखंड फर्स्ट रनरअप, कर्नाटक एवं तेलंगाना सेकंड रनरअप रहे।

ये रहे पदक विजेता

मंगलवार को आयोजित स्पर्धा में महिला सीनियर 57 किलोग्राम भार वर्ग में तेलंगाना की नागलक्ष्मी ने गोल्ड, कर्नाटक की शालीना सिद्धि ने सिल्वर, कर्नाटक की अमूल्या भीमसेन कुन्दरगी ने कांस्य पदक जीता। महिला सीनियर 68 किलोग्राम भार वर्ग में कर्नाटक के प्रिंसिता पेड्र फ़र्नान्डिस सिद्दी को गोल्ड, मिजोरम के एलिजाबेथ रोहलुपुल्ल को सिल्वर, गुजरात के चावड़ा लीलाबेन मैयाभाई एवं राजस्थान की बालकेश कुमारी मीना को कांस्य पदक प्राप्त हुआ। पुरूष सीनियर फ्री स्टाइल 57 किलोग्राम भार वर्ग में ओड़िसा के अजीत भुयां को गोल्ड, महाराष्ट्र के पारस सुभाष बिड़कर को सिल्वर, महाराष्ट्र के विकी रामचन्द्र उइके एवं हिमाचल प्रदेश के अब्दुल खान को कांस्य पदक प्राप्त हुआ। पुरूष ग्रीको रोमन सीनियर 77 किलोग्राम में झारखंड के अभिषेक मुंडा ने गोल्ड, हिमाचल प्रदेश के अर्फ़न ने सिल्वर, तेलंगाना के जादव चरण एवं जम्मू-कश्मीर के इंजमाम ने कांस्य पदक प्राप्त किया। पुरूष फ्री स्टाइल सीनियर 86 किलोग्राम में हिमाचल प्रदेश के सुमित ठाकुर को गोल्ड, जम्मू-कश्मीर के बहादुर खान को सिल्वर, हिमाचल प्रदेश के शब्बीर खान ने कांस्य पदक प्राप्त किया। पुरूष ग्रीको रोमन सीनियर 130 किलोग्राम में मध्यप्रदेश के शिवा भलावी को गोल्ड, जम्मू कश्मीर के दिलेर खान को सिल्वर, तेलंगाना के कर्रा राजू को कांस्य पदक मिला।

हत्या का आरोपी जेल दाखिल, हैंडपम्प चलाने के लिए कहने पर हुआ था विवाद

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। लुण्ड्रा थाना पुलिस ने युवक की हत्या के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आपसी ने वाद-विवाद के दौरान आवेश में आकर टांगी से पैर में गंभीर चोट पहुंचाया था। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त टांगी सहित अन्य सामानों को पुलिस ने जप्त कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम करेसर पहाड़पारा निवासी रामसाय दिवान, वर्तमान ठिकाना ग्राम पटोरा जोबलापारा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि 29 मार्च को वह अपने रिश्ते के भाई संजय के कहने पर बुधसाय के घर संजय को छोड़ने गया था। इस दौरान बुधसाय और राकेश के कहने पर दोनों को अपने मोटरसायकल में बैठाकर ग्राम करेसर ले गया। बुधसाय अपने हाथ में टांगी रखा था। इसके बाद वह बुधसाय और राकेश को बस्ती तरफ ले जा रहा था। गाड़ी चलाते समय उसके आंख

में मक्खी घुस गया तो हैंडपम्प के पास गाड़ी को रोक दिया और बुधसाय को हैंडपम्प चलाने के लिए कहा। बुधसाय हैंडपम्प चला दिया, तब राकेश भी पानी पीने के लिए बुधसाय को हैंडपम्प चलाने के लिए कहा, जिससे वह नाराज होकर गाली गलौज करने लगा। राकेश भी गाली देते हुए बुधसाय को धक्का दे दिया, जिससे नाराज होकर बुधसाय आवेश में आकर राकेश के पैर में टांगी से गंभीर चोट पहुंचा दिया। राकेश जमीन में गिर गया, तो उसे इलाज के लिए धौरपुर अस्पताल ले गए। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर करने पर राकेश को लेकर वे जिला अस्पताल अंबिकापुर गए। यहां इलाज के दौरान राकेश की मृत्यु हो गई। रिपोर्ट पर थाना लुण्ड्रा में धारा 103(1) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध करके पुलिस ने विवेचना में लिया था।

मामले को संज्ञान में लेकर डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल ने पुलिस टीम को मामले में त्वरित कार्रवाई करके आरोपी को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में थाना लुण्ड्रा पुलिस टीम द्वारा विवेचना के दौरान घटनास्थल का निरीक्षण कर बुधसाय उर्फ जीबलाल घासी 60 वर्ष, निवासी ग्राम पटोरा करंजपारा को हिरासत में लिया और पूछताछ की तो उसने टांगी से वार करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी लुण्ड्रा निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, आरक्षक सतीश, राजकुमार यादव, इबनुल खान, वीरेंद्र खलखो, अनिल पैकरा, रामसाय नागेश सक्रिय रहे।

अज्ञात वाहन की ठोकर से घायल अधेड़ की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। घर से बाजार जाने के लिए बाइक से निकले अधेड़ को अज्ञात वाहन का चालक ठोकर मारकर भाग गया, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस दुर्घटनाकारित वाहन के तलाश में लगी है।

जानकारी के मुताबिक, सूरजपुर जिला के कटिंदा, चंद्रमेढ़ा का शिवभजन 55 वर्ष, 30 मार्च को घर से साप्ताहिक बाजार ग्राम पलमा जाने के लिए निकला था। दस मिनट नहीं हुए थे कि स्वजन को रिश्तेदार पूरन सिंह ने फोन करके बताया कि शिवभजन का गांव में ही अटल चैक के पास एक्सीडेंट हो गया है। स्वजन मौके पर पहुंचे तो घायल अवस्था में वह पड़ा था। मौके पर ही एक वाहन का नम्बर प्लेट मिला, जो बाइक सवार को ठोकर मारकर फरार हो गया था। घायल को स्वजन होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

पेड़ से गिरकर घायल हुए ग्रामीण की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पेड़ से गिरकर घायल हुए ग्रामीण की उपचार के दौरान एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, सूरजपुर जिला के ग्राम नरेशपुर का हिरणलाल पिता स्व. ललुआ 35 वर्ष, पेड़ काटने का काम करता था। बीते दिवस वह गांव के ही तीन-चार लोगों के साथ भैयाथान थाना क्षेत्र के ग्राम कोटेया, चिलबिली पेड़ काटने के लिए गया था, इस दौरान अनियंत्रित होकर पेड़ से नीचे गिर गया, जिसमें उसे गंभीर चोटें आई थी। साथी मजदूर उसे क्षेत्रीय अस्पताल से रिफर करने पर होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे थे। यहां उपचार के दौरान सोमवार को उसकी मौत हो गई थी। सूचना पर स्वजन अंबिकापुर पहुंचे, तो शव होलीक्रॉस अस्पताल के मर्च्युरी में रखा था। पुलिस ने मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव को स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

एक शिक्षक के रूप में शिक्षण में नवाचार और नवीन शोध को बढ़ावा देना हमारी ड्यूटी

पीजी कॉलेज में 'टीचिंग लर्निंग मेथड' विषय पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर में 23 मार्च से 30 मार्च तक 'टीचिंग लर्निंग मेथड' विषय पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। यह आयोजन मूलत: शिक्षकों के प्रशिक्षण से संबंधित था। इस कार्यक्रम के अंतर्गत अध्यापन की विविध पद्धतियों से संबंधित व्याख्यान का आयोजन किया गया। उद्घाटन और समापन सत्र के अतिरिक्त कुल 10 सत्रों में देश के विभिन्न हिस्सों से जुड़े विषय-विशेषज्ञों ने अपने वक्तव्य दिए। फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के संयोजक प्रो. राजकमल मिश्र ने बताया इस दौरान लर्निंग आउटकम,प्रॉब्लम सॉल्विंग तकनीक, क्रिटिकल एवं अनालिटिकल लर्निंग, प्रश्नपत्र निर्माण, संज्ञानात्मक शिक्षण, शिक्षण-भाषा, सहभागिता आधारित शिक्षण, शिक्षण में

आईटीसी व एआई तकनीकों का इस्तेमाल जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा-परिचर्चा हुई। प्रोफेसर मिश्र के अनुसार इस कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए अपने शिक्षण को अधिक समावेशी और समयानुकूल बनाना है।

कार्यक्रम के उद्घाटन में मुख्य अतिथि सरगुजा संभाग के क्षेत्रीय अपर संचालक प्रो. रिजवान उल्ला ने कहा कि पीजी कॉलेज में आयोजित होने वाले इस तरह के कार्यक्रम पूरे सरगुजा संभाग के विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षकों को शामिल होने का मौका प्रदान करते हुए उन्हें भी इस तरह के आयोजनों की प्रेरणा देता है। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. पी.पी. सिंह पूर्व कुलपति संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय ने इस बात की गंभीरता की और संकेत दिया कि एक शिक्षक के रूप में शिक्षण में नवाचार और नवीन शोध को बढ़ावा देना हमारी अनिवार्य ड्यूटी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार सिन्हा ने कहा कि हमारा महाविद्यालय निरंतर इस तरह के कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे हम शिक्षण में नवाचार को बढ़ावा देते हुए अपने विद्यार्थियों को समय के अनुरूप तैयार कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि किताबी ज्ञान से आगे बढ़कर विद्यार्थियों में जीवन की बेहतर समझ कैसे विकसित हो कि वे देश के जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने उद्देश्य को निश्चित कर पाएं, इसके लिए पहला कदम शिक्षकों को प्रशिक्षित करना है। यह फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम उसी की एक कड़ी है। कार्यक्रम के समापन सत्र में वी.वाई.टी. दुर्ग के पूर्व प्राचार्य प्रो. आर.एन.सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक का व्यवहार और उसकी शिक्षण-पद्धति विद्यार्थी के जीवन में आमूल-चूल परिवर्तन पैदा कर सकती है, इसलिए हमें यह समझना होगा कि हम केवल नौकरी नहीं कर रहे हैं बल्कि देश और समाज के हित का सबसे महत्वपूर्ण काम कर रहे हैं।

बैरीकेड से टकराकर घायल हुए बाइक सवार की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मेडिकल कॉलेज अस्पताल के मर्च्युरी में रखे अज्ञात युवक के शव की पहचान बलरामपुर जिला के राजपुर थाना अंतर्गत ग्राम चैरा निवासी रामलाल पिता मानसाय 25 वर्ष के रूप में हुई है। युवक बैरीकेड से टकराकर घायल हो गया था। मंगलवार को अस्पताल पहुंचे स्वजन ने मर्च्युरी में रखे गए शव को पहचाना। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम चैरा निवासी रामलाल करीब 10-15 दिन पहले अपने ससुराल ग्राम जगन्नाथपुर, खपरापारा गया था। 30 मार्च को सुबह 10 बजे काम करने के लिए बाइक से ग्राम खड़गवां जा रहा था, इसी दौरान जगन्नाथपुर मिशन स्कूल के पास अनियंत्रित होकर बैरीकेड से टकरा गया था। युवक को एम्बुलेंस से मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लाया गया, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान नहीं हो पाने के कारण पुलिस ने शव को मर्च्युरी में रखवा दिया था और घटना थाना क्षेत्र सहित अन्य पुलिस थानों में फोटो भेजकर मृतक के शिनाख्ती का प्रयास कर रही थी। इसी बीच ग्राम जगन्नाथपुर में रहने वाले स्कूल के शिक्षक शीतल के माध्यम से स्वजन को पता चला कि एक बाइक सवार बैरीकेड से टकराकर घायल हुआ था, जिसे अंबिकापुर ले गए हैं। इसके बाद स्वजन मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे और शव को पहचाना। पुलिस ने मृतक के शव को पंचनामा, पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

एम.लिब. पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की उच्च शिक्षा विभाग के सचिव से मांग

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। उच्च शिक्षा विभाग के सचिव को पत्र लिखकर अंबिकापुर स्थित राजीव गांधी पी.जी. कॉलेज में एम.लिब. (मास्टर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस) पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की मांग आजाद सेवा संघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश सचिव रचित मिश्रा ने की है। अपने पत्र में उन्होंने उल्लेख किया है कि यहां से प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं बी.लिब. (बैचलर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस) की पढ़ाई पूर्ण करते हैं। सत्र 2024-25 में भी कई विद्यार्थियों ने यह पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण किया है, जो आगे उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक हैं।

वर्तमान में पूरे सरगुजा संभाग में कहीं भी एम.लिब. पाठ्यक्रम संचालित नहीं हो रहा है। इस कारण विद्यार्थियों को रायपुर, बिलासपुर अथवा अन्य बड़े शहरों का रुख करना पड़ता है। दूरस्थ स्थानों पर जाकर पढ़ाई करना न केवल आर्थिक रूप से महंगा पड़ता है, बल्कि रहने-खाने एवं अन्य व्यवस्थाओं के कारण विद्यार्थियों और उनके परिवारों पर अतिरिक्त बोझ भी बढ़ता है। सरगुजा संभाग के अंतर्गत आने वाले जिले सरगुजा, कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर एवं जशपुर के कई छात्र-छात्राएं पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, किन्तु स्थानीय स्तर पर एम.लिब. की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण उनकी पढ़ाई बीच में

ही रुक जाती है या उन्हें मजबूरी में अन्य क्षेत्रों का चयन करना पड़ता है। उन्होंने आगे बताया है कि नई शिक्षा नीति के तहत भी उच्च शिक्षा के विस्तार एवं स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है। ऐसे में अंबिकापुर जैसे शैक्षणिक केंद्र में एम.लिब. पाठ्यक्रम प्रारम्भ करना समय की मांग है, जो क्षेत्रीय शैक्षणिक विकास को गति प्रदान करेगा। उन्होंने शासन-प्रशासन से मांग की है कि विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाए एवं आगामी शैक्षणिक सत्र से ही एम.लिब. पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं। संघ ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह मांग केवल एक संगठन की नहीं, बल्कि पूरे सरगुजा संभाग के विद्यार्थियों की सामूहिक आवश्यकता है। यदि इस पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया, तो संगठन द्वारा विद्यार्थियों के हित में आगे व्यापक स्तर पर आवाज उठाया जाएगा।

किशोरी के साथ बस स्टैंड पहुंचा युवक गिरफ्तार, दुष्कर्म का लगा आरोप

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। दुष्कर्म के बाद किशोरी को बस स्टैंड लेकर पहुंचे युवक को लुण्ड्रा थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना अंबिकापुर में घटित होने के कारण मामले में अग्रिम कार्रवाई के लिए पुलिस ने केस डायरी कोतवाली थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, सरगुजा की 15 वर्षीय किशोरी, 28 मार्च को शाम करीब 7.30 बजे घर से बिना बताए निकली थी, इसके बाद वापस नहीं लौटी। 30 मार्च को लुण्ड्रा थाना पुलिस ने उसे एक युवक के साथ बस स्टैंड से बरामद किया था। पूछताछ में उसने पुलिस को बताया था कि 28 मार्च को घर से निकलने के बाद वह अपनी एक सहेली व एक लड़के के साथ पैदल ही ग्राम राता में स्थित स्कूल तक पहुंची और पूरी रात तीनों स्कूल में ही रूके थे। दूसरे दिन ग्राम राता से बस से तीनों अंबिकापुर पहुंचे और बंगाली चैक में उतर गए थे। यहां आने के बाद साथ में आया लड़का वापस अपने घर चले गया था। दोनों सहेली घूमते हुए प्रतीक्षा बस स्टैंड अंबिकापुर पहुंच गए। सहेली के भी वापस घर चले जाने के बाद वह अकेले पड़ गई और बस स्टैंड में भटक रही थी। इसी बीच नमनाकला खटिकपारा के गोलू सोनकर से उसकी मुलाकात हुई और वो किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने रूम में ले जाने के बाद दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। 30 मार्च को किशोरी को छोड़ने के लिए साथ में बस स्टैंड पहुंचा और पुलिस के हत्थे चढ़ गया। किशोरी ने पुलिस को आरोपी युवक के द्वारा अपने घर में ले जाकर दुष्कर्म करना बताया है। किशोरी का बयान दर्ज करके पुलिस ने आरोपी युवक के विरूद्ध बीएनएस की धारा 64 (1), 65 (1) और लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 4, 6 का मामला दर्ज कर लिया है।

शक्तिनगर जरही में दो दिवसीय श्री हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन आज से

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही। शक्तिनगर जरही में इस वर्ष भी पूरे हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ श्री हनुमान जन्मोत्सव एवं प्राण प्रतिष्ठा वर्षगांठ महोत्सव मनाया जाएगा। मंदिर समिति द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय धार्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। आयोजन 02 अप्रैल, चैत्र पूर्णिमा, गुरुवार को संपन्न होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। महोत्सव की शुरुआत आज 01 अप्रैल को सुबह 8 बजे से श्री रामचरित मानस के संगीतमय अखंड पाठ के साथ होगी। यह पाठ पूरे श्रद्धा भाव के साथ निरंतर जारी रहेगा, जिसमें भक्तजन शामिल होंगे। 02 अप्रैल को सुबह 8 बजे से श्री हनुमान का दिव्य अभिषेक, पूजन एवं श्रृंगार दर्शन किया जाएगा। इसके साथ ही हवन, सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ और महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण रहेगा।

महाभंडारा और कवि सम्मेलन होगा आकर्षण का केंद्र

महोत्सव के अवसर पर दोपहर 1.30 बजे से शाम 6 बजे तक महाभंडारा का आयोजन किया गया है, जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया जाएगा। रात 8 बजे से अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन होगा, जो कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहेगा। श्री हनुमान मंदिर समिति, शक्तिनगर जरही द्वारा सभी श्रद्धालुओं से सपरिवार इस मौके पर उपस्थित होकर पुण्य का भागीदार बनने का आग्रह किया गया है। समिति ने आयोजन को सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की है।

बाइक की ठोकर से घायल युवक की हायर सेंटर ले जाते वक्त मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मोटरसायकल की ठोकर से घायल युवक की हायर सेंटर रायपुर ले जाते वक्त मौत हो गई। बीच रास्ते से स्वजन घायल को वापस अंबिकापुर लेकर पहुंचे, लेकिन उसकी मौत हो गई थी। जानकारी के मुताबिक, बीते 29 मार्च को सूरजपुर जिला के बसदेई, खूटनपारा निवासी रवि कुमार पिता सोहन राम 36 वर्ष को मोटरसायकल क्रमांक सीजी 16 सीआर 6416 का चालक लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए तेज रफ्तार में ठोकर मार दिया था, जिसमें उसे सिर सहित शरीर के अन्य हिस्से में गंभीर चोटें आई थी। इसकी सूचना रिश्तेदार सोहन ने फोन करके स्वजन को दी थी, और बताया था कि घायल रवि को एम्बुलेंस से लेकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर जा रहे हैं। स्वजन रात करीब 9 बजे अस्पताल पहुंचे, तो यहां उसका इलाज चल रहा था। घायल की स्थिति गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने 30 मार्च को उसे हायर सेंटर रायपुर के लिए रिफर कर दिया। संजीवनी 108 एम्बुलेंस से घायल को रायपुर ले जाते समय ग्राम मोरगा के पास युवक के शरीर में किसी प्रकार की हरकत नहीं होने पर स्वजन उसे वापस मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम करके मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर